सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों,
अपने चेहरे की मुस्कान को कभी कम मत होने दीजिए,
क्योंकि यही आपकी असली ताकत है...!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-284 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 02 नवंबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

महादेव सट्टा ऐप का किंगपिन सौरभ चंद्राकर ओमान से प्रत्यर्पित, आज रायपुर CBI कोर्ट में पेशी

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली-रायपुर

देश के सबसे बड़े अवैध ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क महादेव ऐप के मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर को CBI ने ओमान से प्रत्यर्पित कर भारत ला लिया है। उइकने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इसकी पुष्टि की है।

CBI के अनुसार अन्य केंद्रीय एजेंसियों के समन्वय से यह बड़ी कार्रवाई की गई है। सौरभ के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, जिसके आधार पर रॉयल ओमान पुलिस ने उसे लोकेट कर हिरासत में लिया था। CBI और ED द्वारा पुख्ता सबूतों के साथ प्रत्यर्पण प्रस्ताव ओमान सरकार को भेजा गया, जिसे मंजूर करने के बाद CBI की विशेष टीम मस्कट जाकर उसे एस्कॉर्ट कर भारत लाई है।



आज ट्रांजिट रिमांड पर रायपुर लाया जाएगा

CBI के अनुसार भारत लाने के बाद आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा और ट्रांजिट रिमांड लेकर उसे रायपुर ले जाया जाएगा। 02 नवंबर को उसे रायपुर के CBI स्पेशल जज के समक्ष पेश किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ सरकार की शिकायत पर शुरू हुई थी जांच

उइकने यह जांच छत्तीसगढ़ सरकार के अनुरोध पर शुरू की थी। जांच में खुलासा हुआ कि महादेव ऑनलाइन बुक देश के सबसे बड़े अवैध सट्टा सिंडिकेट में से एक है, जो विदेश से संचालित होता था। यह नेटवर्क क्रिकेट, फुटबॉल, ताश सहित अन्य इवेंट्स पर पूरे भारत में फैले फ्रेंचाइजी "पैनल" और "ब्रांच" के जरिए सट्टा खिलाता था।

अवैध सट्टे की रकम को बड़ी संख्या में म्यूल बैंक अकाउंट्स के जरिए घुमाया जाता था, लेयरिंग कर हवाला चैनलों से विदेश भेजा जाता था। जांच में यह भी सामने आया कि इस रकम का एक हिस्सा सरकारी कर्मचारियों को प्रोटेक्शन मनी के रूप में दिया जाता था, ताकि सिंडिकेट बिना रोक-टोक चल सके।

CBI केस में चार्जशीट, ED ने जब्त की संपत्तियां

CBI ने इन मामलों में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988, IPC की आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी, जालसाजी की धाराओं और छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत चार्जशीट दाखिल की है। सौरभ चंद्राकर इन चार्जशीट में प्रमुख आरोपी है। वहीं ED ने भी मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट दाखिल की है और भारत में उसकी कई संपत्तियां अटैच की हैं।

CBI ने कहा कि यह प्रत्यर्पण विदेश में बैठकर भारतीय नागरिकों के खिलाफ ट्रांसनेशनल अपराध करने वाले भगोड़ों को वापस लाने के भारत के निरंतर प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। CBI ने ओमान सरकार और रॉयल ओमान पुलिस के सहयोग के लिए आभार जताया है।

जूस की दुकान से दुबई के महलों तक - महादेव सट्टा किंग सौरभ चंद्राकर की कहानी



कभी नेहरू नगर की जूस दुकान पर गिलास धोने वाला लड़का, आज दुबई में

200 करोड़ की शादी करने वाला महादेव सट्टा नेटवर्क का किंगपिन। भिलाई के सौरभ चंद्राकर की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं। उइकऔर एऊकी जांच में जो कहानी सामने आई है, उसके मुताबिक भिलाई से शुरू हुआ ये खेल देखते-देखते दुबई तक फैल गया।

कैसे बना नेटवर्क ? : एऊके मुताबिक सौरभ और उसका पार्टनर रवि उप्पल दुबई से हजारों ऑनलाइन पैनल ऑपरेट करते थे। महादेव बुक के साथ रेड्डी अन्ना, फेयरप्ले, स्काई एक्सचेंज, लोटस365 जैसे ऐप्स का जाल बुना। क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस से लेकर चुनाव तक - हर चीज पर सट्टा। लोकल लड़कों को WhatsApp ID, बैंक अकाउंट और मोबाइल देकर पैनल चलवाते थे, फिर मुनाफा हवाला से दुबई।

फर्जी खाते और हवाला का खेल : जांच में सैकड़ों बेनामी अकाउंट मिले। किसी और के नाम पर खुले खाते, किराए पर लिए गए अकाउंट और फर्जी KYC सट्टे का पैसा पहले 10-20 अकाउंट में घुमाया, फिर कैश और हवाला से दुबई की कंपनियों और प्रॉपर्टी में लगाया। कुछ पैसा शेयर बाजार तक भी पहुंचा।

200 करोड़ की शादी जो फंस गई : फरवरी 2023 में UAE के रास अल खैमाह में हुई सौरभ की शादी ने ही उसे एक्सपोज कर दिया। ED का दावा है कि शादी पर करीब 200 करोड़ उड़ाए गए। प्राइवेट जेट से मेहमान, बॉलीवुड सेलेब्स के परफॉर्मेंस, 5-स्टार होटल - और पेमेंट हवाला से। यहीं से एजेंसियां एक्टिव हुई।

अब क्या ? : भिलाई से दुबई तक फैले इस नेटवर्क में भाई गौरव, विकास छपरिया, शुभम सोनी जैसे कई नाम जुड़े। कई प्रॉपर्टी अटैच हो चुकी हैं। ओमान से प्रत्यर्पण के बाद सौरभ अब भारत में है, और अब CBI-ED के सामने इस साम्राज्य की पूरी परतें खुलेंगी।

महादेव सट्टा ऐप के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर की वापसी पर मुख्यमंत्री साय का बड़ा बयान



रायपुर। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप मामले के मुख्य प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को ओमान से भारत लाए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बड़ा बयान दिया है। दिल्ली रवाना होने से पहले मुख्यमंत्री ने इस कार्रवाई को जांच एजेंसियों की बड़ी सफलता बताया और उइकसहित सभी केंद्रीय एजेंसियों को बधाई दी। सीएम साय ने कहा कि मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए उइकलगातार प्रयास कर रही थी। गौरतलब है कि सौरभ चंद्राकर के भारत लाए जाने के बाद अब इस बहुचर्चित मामले में जांच की अगली कार्रवाई पर सबकी नजरें टिकी हैं।

एसआईआर के विरोध में रामलीला मैदान में विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन, उमड़ा जनसैलाब

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

एसआईआर और कथित 'वोट चोरी' के विरोध में विपक्षी कठऊक्अ गठबंधन ने रविवार को रामलीला मैदान में विशाल रैली की। कांग्रेस, सपा, टीएमसी, राजद सहित 21 विपक्षी दलों के संयुक्त मंच पर 9 बड़े नेताओं ने भाषण दिया और चुनाव आयोग व केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला।

रैली से पहले राहुल गांधी समेत विपक्षी नेता खुले वाहनों में हजारों समर्थकों के साथ 1 किमी मार्च कर रामलीला मैदान पहुंचे। सुबह 10 बजे तक मैदान के कुछ गेटों पर सन्नाटा था, लेकिन 11 बजते-बजते मिंटो रोड, राजघाट और रणजीत सिंह फ्लाईओवर की तरफ से उमड़े हुजूम से मैदान भर गया। दोपहर तक कीचड़ वाले हिस्सों को छोड़कर हर जगह समर्थक नजर आए। पुलिस को लाउडस्पीकर पर बार-बार घोषणा करनी पड़ी कि गेट नंबर 2 और 4 फुल हो चुके हैं। हाथों में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' की तख्तियां थीं।



राहुल का सीधा हमला - वोट चोर देश से भाग नहीं सकते

राहुल गांधी ने कहा कि आज की भीड़ ने पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सीईसी ज्ञानेश कुमार को संदेश दे दिया है। उन्होंने कहा- "वोट चोरी करने वाले देश से भाग नहीं सकते, देशद्रोह में जेल जाएंगे। सीईसी को पद से हटाकर जेल भेजेंगे। ज्ञानेश के बिना न मोदी पीएम बनते, न शाह गृह मंत्री।"

राहुल ने आगे कहा, "अमित शाह कहते हैं नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जा रहे। मैं कहता हूं मोदी कहीं नहीं जा सकते। वे जाना भी चाहें तो हम उन्हें जाने नहीं देंगे।" उन्होंने कहा कि आरएसएस ने संस्थाओं पर कब्जा कर लिया है, किसानों, मजदूरों को हक नहीं मिल रहा।

अखिलेश, ममता ने भी साधा निशाना

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि रामलीला मैदान आज लोकतंत्र की हल्दीघाटी बन गया है। यह भीड़ बदलाव का संकेत है।

टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा कि एसआईआर के जरिए भाजपा विपक्ष शासित राज्यों को निशाना बना रही है, बंगाल इसका शिकार है।

विपक्ष की 'जन संसद' पर भाजपा का पलटवार, शाह बोले - नकली संसद में बैठे रहिए, पीएम बनने का नंबर नहीं आएगा



चंडीगढ़/नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन की रामलीला मैदान रैली के बाद भाजपा ने तीखा पलटवार किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के प्रतीकात्मक 'जन महाभियोग' का जिक्र करते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। चंडीगढ़ में एक कार्यक्रम में शाह ने कहा, "राहुल जी, प्रधानमंत्री बनना है तो जिंदगीभर नकली संसद में बैठे रहिए। आपका नंबर नहीं आने वाला।" शाह ने रैली की तारीख पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर 1984 को दिल्ली में हजारों सिखों की हत्या हुई थी, उसी दिन रैली करके राहुल ने पीड़ितों के जख्मों पर नमक छिड़का है।

मोदी कहीं नहीं जाएंगे, 2029 में फिर लाल किले पर दिखेंगे - नितिन नवीन

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रोहतक में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में कहा कि राहुल गांधी विदेशी ताकतों के इशारे पर देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। नवीन ने कहा, "मोदी कहीं नहीं जाएंगे। 2029 में फिर लाल किले पर नजर आएंगे।"

रैली फ्लॉप, 40% मैदान खाली रहा - संबित पात्रा : भाजपा सांसद संबित पात्रा ने इंडिया ब्लॉक की रैली को फ्लॉप बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 10 लाख लोगों के आने का दावा किया था, लेकिन रामलीला मैदान का 40% हिस्सा खाली रहा। करीब 28 हजार कुर्सियों में से 5 से 7 हजार कुर्सियां खाली थीं। यह रैली समय की बबार्दी साबित हुई।

देशभर में सोशल मीडिया पर ट्रेंड हुआ छत्तीसगढ़ हॉकी लीग, देशभर में सोशल मीडिया साइट एक्स हुआ ट्रेंड



देश में पहली बार किसी राज्य सरकार का हॉकी को लेकर इतना बड़ा आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के खेल इतिहास में आज का दिन स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा। आज छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के फाइनल मुकाबले और भव्य समापन समारोह के साथ ही प्रदेश ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

फाइनल मैच के शुरू होते ही शाम से ही सोशल मीडिया पर Chhattisgarh Hockey League कीवर्ड देश भर के एक्स यूजर के मोबाइल में ट्रेंडिंग में दिखने लगा। रात तक (ट्विटर) पर यह टॉप 5 नेशनल ट्रेंड में शामिल रहा। देशभर के खेल प्रेमियों, खिलाड़ियों और युवाओं ने इस लीग की जमकर सराहना की। यह इस बात का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री अरुण साव के खेल की दिशा में किए जा रहे प्रयासों से छत्तीसगढ़ का यह आयोजन पूरे देश का ध्यान खींचने में सफल रहा है।

गौरतलब है कि देश में पहली बार किसी राज्य सरकार द्वारा हॉकी को समर्पित इतने बड़े पैमाने पर लीग का आयोजन किया गया है। इस लीग में प्रदेश और देश के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी साथ खेले ओलंपिक खेल चुके पूर्व खिलाड़ियों ने भी कई भूमिकाओं में छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के इस संस्करण में हिस्सा लिया, जिसमें 150 से अधिक खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निश्चित तौर पर, छत्तीसगढ़ हॉकी लीग ने छत्तीसगढ़ को हॉकी की नई राजधानी बनने की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया है। यह लीग छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए प्रेरणा का नया स्रोत बनेगी।

बिलासपुर में 5 करोड़ का लोन घोटाला 11 फर्जी फर्मों के नाम पर लिया ऋण



नई दृष्टिबिंदु / बिलासपुर

11 फर्जी फर्मों के नाम पर 5.04 करोड़ के लोन घोटाले में EOW-ACB ने बड़ी कार्रवाई की है। तत्कालीन बैंक मैनेजर राहुल कुमार सिन्हा और विश्वजीत भौमिक के खिलाफ विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), बिलासपुर में चालान पेश किया गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा की राजकिशोर नगर शाखा को 5,04,15,000 रुपये की क्षति पहुंची है।

जांच में सामने आया कि जरहाभाठा स्थित उड़ान माइक्रो फाइनेंस के संचालक विश्वजीत भौमिक ने लोगों के आधार, पैन और KYC दस्तावेज लेकर उनकी जानकारी के बिना फर्में बना लीं। 20 मार्च 2018 से 3 मई 2019 के बीच तत्कालीन वरिष्ठ शाखा प्रबंधक ने नियमों को दरकिनार कर 11 अपात्र फर्मों को कैश क्रेडिट, ओवरड्राफ्ट, बैंक गारंटी और टर्म लोन मंजूर किए।

तीन फर्मों के दुकान पंजीयन फर्जी निकले, सात फर्मों के GST रिटर्न एक ही कार्यालय से दाखिल हुए और मौके पर कोई व्यावसायिक इकाई नहीं मिली। 11 खाते 2019 में ही NPA हो गए। ऋण की रकम कारोबार में न लगकर अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर NSIC के जरिए आरोपी की अपनी फर्म ए.बी. फास्टनर्स तक पहुंचाई गई। असंबंधित लोगों की संपत्तियां भी बिना जानकारी के बंधक रखी गईं। दोनों आरोपियों पर धारा 420, 467, 468, 471, 120-इ और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में चालान पेश किया गया है।

लकड़ी तस्करी में अफसर ही सरगना पांच हजार में सिंडिकेट की मेंबरशिप

नई दृष्टिबिंदु / कांकेर

कांकेर वनवृत्त में जंगलों की हिफाजत करने वाले उड़नदस्ते के प्रभारी ही लकड़ी तस्करों के सिंडिकेट के सरगना बन बैठे। तस्करों की गाड़ियों को सुरक्षित पास कराने के लिए 5 हजार रुपये में मेंबरशिप का खेल चल रहा था। तत्कालीन उड़नदस्ता प्रभारी रेंजर धनलाल साहू और दलाल के बीच सौदेबाजी का ऑडियो, व्हाट्सएप चैट और ऑनलाइन लेनदेन के डिजिटल साक्ष्य सामने आए हैं।

बस्तर और कांकेर से गैर-इमारती लकड़ी वैध रूप से रायपुर व अन्य शहरों में प्लाईवुड और माचिस फैक्ट्रियों के लिए भेजी जाती है। इसी आड़ में बीजापुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, नारायणपुर, कोंडागांव और कांकेर से बहुमूल्य इमारती लकड़ी भरकर रोज 15 से अधिक गाड़ियां निकलती हैं। कांकेर वनवृत्त में दाखिल होते ही सिंडिकेट सक्रिय हो जाता था। धनलाल साहू के कार्यकाल में यह वसूली लगातार चलती रही। 26 अक्टूबर को उन्हें हटाकर कांकेर रेंज का प्रभार दिया गया, लेकिन पद रिक्त होने के कारण वे उड़नदस्ते का काम भी देखते रहे।

कैसे पार होती हैं गाड़ियां

तस्करी में ज्यादातर सफेद या कत्थई रंग की माजदा गाड़ियों का उपयोग होता है। वाहन रवाना होने से पहले गाड़ी नंबर प्रभारी के व्हाट्सएप पर भेजा जाता है। प्रभारी यूपीआई स्कैनर भेजते हैं और 5 हजार का ऑनलाइन ट्रांसफर होते ही बिना जांच सेफ पासेज मिल जाता है। समय पर रकम न पहुंचने पर वाहन रोककर सौदेबाजी की जाती है।

कोडवर्ड में सौदेबाजी

सिंडिकेट में बातचीत गुप्त कोडवर्ड में होती है। लकड़ी के प्रकार को आम, जाम या जामुन कहा जाता है, पकड़े गए वाहन मालिक का कोड परिंदा है। रकम के शुरूआती दो अंक ही बोले जाते हैं। गाड़ी छोड़ने या जब्त करने के लिए 'मार दें या छोड़ दें' जैसे शब्दों का प्रयोग होता है। ऑडियो में एक बातचीत में दलाल कहता है - 'प्लाईवुड कंपनी मालिक बोल रहे हैं, परिंदा बोला सर के लिए 40 कर दूंगा।' प्रभारी जवाब देता है - 'इसमें कुछ नहीं होने वाला।'

पक्ष : धनलाल साहू ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि कार्रवाई के कारण तस्कर झूठे मामले में फंसा रहे हैं। उधारी की रकम को ऑनलाइन पेमेंट बताया जा रहा है और ऑडियो में काट-छांट की गई है। सीसीएफ विवेकानंद सिन्हा ने कहा कि सामग्री की निष्पक्ष और बिंदुवार जांच कराई जाएगी और तथ्यों के आधार पर कड़ी कार्रवाई होगी।

ISIS से जुड़े संदिग्ध मॉड्यूल का खुलासा करने वाली IPS राजश्री मिश्रा को दूसरी बार केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर



आतंकी संगठन ISIS की विचारधारा से प्रभावित संदिग्ध ऑनलाइन कट्टरपंथी मॉड्यूल का खुलासा करने वाली छत्तीसगढ़ कैडर की 2018 बैच की IPS अधिकारी राजश्री मिश्रा को केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक (KGDP)-2026 के लिए चुना गया है। वर्तमान में ATS की SP राजश्री मिश्रा का यह दूसरा गृहमंत्री दक्षता पदक है। इससे पहले उन्हें प्रशिक्षण में उत्कृष्टता के लिए यह सम्मान मिला था। जनवरी 2026 में उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक से भी सम्मानित किया गया था।

6 महीने की खुफिया जांच में हुआ खुलासा : मिश्रा की निगरानी में ATS ने करीब 6 महीने तक तकनीकी निगरानी और मानवीय स्रोतों से मिली सूचनाओं के आधार पर जांच की। जांच में रायपुर के दो नाबालिगों की संदिग्ध ऑनलाइन गतिविधियों के ISIS प्रेरित प्रचार सामग्री से जुड़ाव के संकेत मिले थे।

अधिकारियों के अनुसार मामला संवेदनशील होने के कारण डिजिटल साक्ष्यों का गहन संकलन किया गया, जिसके बाद UAPA के तहत कार्रवाई कर किशोर न्याय बोर्ड, माना के समक्ष तय समयसीमा में आरोपपत्र प्रस्तुत किया गया। जांच ऑनलाइन कट्टरपंथी प्रभाव और सामग्री के प्रसार पर केंद्रित रही, किसी आतंकी हमले को अंजाम देने का दावा नहीं है। नाबालिगों से संबंधित प्रक्रिया किशोर न्याय व्यवस्था के प्रावधानों के अनुसार अपनाई गई।


सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
NDB NEWS नई दृष्टि बिंदु
आपके विश्वास और प्यार से
नई उड़ान...
धन्यवाद आप सभी का!
YouTube नई दृष्टि बिंदु News
7.5K+ SUBSCRIBERS
7.2 MILLION+ VIEWS
आपके विश्वास की ताकत
Instagram nai drishtibindu
12K+ FOLLOWERS
CRORES+ VIEWS
आपका साथ, हमारी पहचान
Facebook Nai Drishti Bindu
8K+ FOLLOWERS
MILLIONS+ VIEWS
जनता की आवाज़, हमेशा
आपका प्यार और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है।
लोग हमारा कंटेंट देख रहे हैं, अब आपसे एक निवेदन है -
हमें देखें, सराहें और
SUBSCRIBE / FOLLOW
ज़रूर करें!
आपका एक SUBSCRIBE / FOLLOW हमारा मनोबल बढ़ाता है, और हमें देता है और बेहतर करने की ताकत!
आपका साथ हमारी ताकत हमारी पहचान
निष्पक्ष खबरें | छत्तीसगढ़ की आवाज़ | राज्य | जिला | समाज | प्रशासन
हमारा मकसद सिर्फ खबर नहीं, बदलाव लाना है!
जुड़े रहिए... नई दृष्टि बिंदु News के साथ

त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक, दावा-आपत्ति निराकरण के दिए निर्देश

दावा-आपत्ति निराकरण के दिए निर्देश, भिलाई चरोदा नगर पालिक निगम की मतदाता सूची में गड़बड़ी, चार अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

नगरीय निकाय निर्वाचन की तैयारियों के तहत कलेक्टर अभिजीत सिंह ने निगम सभागार में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर ने परिशिष्ट-15 के माध्यम से प्राप्त दावा-आपत्तियों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की और प्रपत्र-6 एवं प्रपत्र-क भरने के कार्य की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि नाम, पते और अन्य विवरणों की त्रुटियों का नियमानुसार निराकरण कर त्रुटिरहित और अद्यतन मतदाता सूची तैयार की जाए।

उन्होंने सभी कार्यों को समय-सीमा में पूरा करने और अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय रखने पर जोर दिया। बैठक में निगम आयुक्त सुरुचि सिंह, अपर कलेक्टर लिली थॉमस, एसडीएम सोनल डेविड, अपर आयुक्त राजेंद्र कुमार दोहरे, तहसीलदार डीकेश्वर साहू सहित एईआरओ, सुपरवाइजर और बीएलओ उपस्थित रहे।

वहीं नगर पालिका आम निर्वाचन-2026 के लिए तैयार की जा रही निर्वाचक नामावली में मतदाता स्थानांतरित त्रुटि की सूचना सामने आई हैं। नगर पालिक निगम भिलाई चरोदा के 40 वार्डों में से 16 वार्डों के 1204 मतदाताओं के नाम उनके निर्धारित वार्डों में दर्ज न होकर अन्य वार्डों में दर्ज होने की सूचना प्राप्त हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) अभिजीत सिंह ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए चार अधिकारियों-रजिस्ट्रीकरण अधिकारी प्रकाश सोनी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी रवि



विश्वकर्मा, अतिरिक्त सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी आलोक पसीने और अतिरिक्त सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी प्रभाकर शुक्ला को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी नोटिस के अनुसार, छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 1 अक्टूबर 2026 की संदर्भ तिथि के आधार पर फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार एवं पुनरीक्षित करने का कार्य किया जा रहा है। नगर पालिक निगम भिलाई चरोदा की निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 23 अक्टूबर 2026 को किया गया था। इसके बाद बूथ लेवल अधिकारियों एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने मतदाताओं के नाम दूसरे वार्डों में दर्ज होने की त्रुटि की जानकारी दी।

नोटिस में इस त्रुटि के लिए निर्वाचक नामावली तैयार करने में गंभीर लापरवाही बरतने तथा बीएलओ द्वारा प्रस्तुत आधार पत्रक 01 एवं 02 की समुचित जांच नहीं करने का उल्लेख किया गया है। इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए चारों अधिकारियों को तीन दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही नगर पालिका निर्वाचन नियम 1994 के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप ही शुद्ध एवं त्रुटिरहित निर्वाचक नामावली तैयार करने के निर्देश दिए हैं। नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि निर्धारित समय में जवाब प्रस्तुत नहीं करने अथवा जवाब असंतोषजनक पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

खास खबर

नाबालिग बेटे को बाइक देने पर पिता को भी सजा, पुत्र को 5 साल की सजा - दुर्ग कोर्ट का अहम फैसला

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

बिना लाइसेंस मोटरसाइकिल चलाने देने पर दुर्ग सत्र न्यायालय ने पिता को भी दोषी ठहराया है। 4 अगस्त 2025 को इंदु आईटी स्कूल कोहका के पास हुई सड़क दुर्घटना में एक्टिवा चालक शादान अली की मौत और पीछे बैठे उत्तम पांडेय के घायल होने के मामले में कोर्ट ने 31 अक्टूबर को फैसला सुनाया। पुलिस चौकी स्मृतिनगर में दर्ज अपराध क्रमांक 1025/2025 के तहत हुई विवेचना में सामने आया था कि मोहित कुमार बघेल (19) के पास वैध लाइसेंस नहीं था और बाइक उसके पिता मोहन लाल बघेल ने चलाने को दी थी।

कोर्ट ने सुनाई सजा : पुत्र मोहित कुमार बघेल को BNS धारा 105(2) में 5 साल सश्रम कारावास व 1000 जुमार्ना, धारा 110(2) में 3 साल सश्रम कारावास व 1000 जुमार्ना, मोटरयान अधिनियम धारा 184 में 10 माह कारावास व 3000 जुमार्ना, और धारा 3/181 में 3 माह कारावास व 5000 जुमार्ना, पिता मोहन लाल बघेल (54) को मोटरयान अधिनियम धारा 5/180 के तहत 3 माह साधारण कारावास और 5000 रुपये अर्थदंड। जुमार्ना न देने पर 7 दिन अतिरिक्त सजा।

दोनों आरोपी भाटापारा कुरुद, चौकी जामुल क्षेत्र के निवासी हैं। प्रकरण में लोक अभियोजक द्रोण ठाकुर ने प्रभावी पैरवी की। दुर्ग पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि नाबालिगों को वाहन न दें और वाहन देने से पहले लाइसेंस की जांच जरूर करें।

सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी के खिलाफ दुर्ग पुलिस का अभियान, 27 पर कार्रवाई



भिलाई। सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन और अड्डेबाजी के खिलाफ दुर्ग पुलिस ने विशेष अभियान चलाया है। 31 अक्टूबर को जिले के सभी थाना-चौकी क्षेत्रों में चलाए गए अभियान में 27 लोगों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस ने चौक-चौराहों, बाजार क्षेत्रों, पार्कों और संवेदनशील स्थानों पर सघन चेकिंग की। सार्वजनिक जगह पर शराब पीते पाए गए लोगों के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 36(च) के तहत 27 प्रकरण दर्ज किए गए।

थानावार कार्रवाई : खुर्सीपार - 11 प्रकरण, उतई - 07 प्रकरण, कुम्हारी - 03 प्रकरण, मोहन नगर - 02 प्रकरण, नेवई - 02 प्रकरण, जामुल - 02 प्रकरण-कुल - 27 प्रकरण शामिल हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन से दूर रहें और शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। संदिग्ध गतिविधि दिखने पर तत्काल नजदीकी थाने या कंट्रोल रूम को सूचना दें।

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है सरकार - विधायक ललित चंद्राकर



दुर्ग। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि चक्रवात 'अर्नब' से फसलों को हुए नुकसान को सरकार ने गंभीरता से लिया है और किसानों के हितों की रक्षा सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। विधायक ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर सभी जिला कलेक्टरों को फसल क्षति का तत्काल सर्वेक्षण कराने के निर्देश दिए गए हैं। सर्वे के आधार पर प्रभावित किसानों को आर.बी.सी. 6-4 के प्रावधानों एवं निर्धारित मानदंडों के अनुसार सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इस चुनौतीपूर्ण घड़ी में डबल इंजन की सरकार प्रत्येक प्रभावित किसान के साथ मजबूती से खड़ी है और राहत में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

किसानों से अपील: यदि आपकी फसल को नुकसान पहुंचा है तो घबराएं नहीं। फसल नुकसान की जानकारी शासन के टोल फ्री नंबर 14447 पर संपर्क कर अथवा नजदीकी पटवारी, कृषि विभाग, जनपद/तहसील कार्यालय में दर्ज कराएं, ताकि सर्वे में नाम शामिल हो सके।

छत्तीसगढ़ी साहित्य के पुरोधा पारकर को मिलेगा लाला जगदलपुरी राज्य अलंकरण

एमए छत्तीसगढ़ी पाठ्यक्रम के प्रवर्तक हैं पारकर, लोक संस्कृति, उपन्यास, रंगमंच और अनुवाद में दिया है अविस्मरणीय योगदान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



छत्तीसगढ़ी भाषा, लोक संस्कृति और साहित्य के संरक्षण एवं संवर्धन में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित करने वाले वरिष्ठ साहित्यकार दुर्गा प्रसाद पारकर को राज्य सरकार द्वारा 'लाला जगदलपुरी राज्य अलंकरण' से सम्मानित किया जाएगा। राजधानी रायपुर में राज्य शासन की ओर से रविवार को इस आशय की घोषणा की गई। 13 नवंबर को राज्योत्सव के समापन अवसर पर उन्हें मुख्य अतिथि गृह मंत्री अमित शाह उन्हें राज्य अलंकरण से सम्मानित करेंगे। आंचलिक साहित्य के क्षेत्र में दिया जाने वाला यह प्रतिष्ठित सम्मान न केवल पारकर की बरसों की तपस्या का प्रतिफल है, बल्कि संपूर्ण छत्तीसगढ़ी साहित्य जगत के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने छत्तीसगढ़ी को केवल लोक व्यवहार की बोली से उठाकर उच्च शिक्षा, शोध और अकादमिक मंचों पर स्थापित करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई है।

एम.ए. छत्तीसगढ़ी के प्रवर्तक और अकादमिक पहचान

पारकर जी का सबसे ऐतिहासिक योगदान पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में 'एम.ए. छत्तीसगढ़ी' पाठ्यक्रम प्रारंभ कराने की पहल रही है। इसी भगीरथ प्रयास के कारण उन्हें एम.ए. छत्तीसगढ़ी का 'प्रवर्तक' माना जाता है। उनकी कालजयी औपन्यासिक कृति बहू हाथ के पानी को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग और शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर के स्नातकोत्तर (एम.ए.) पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है, जो छत्तीसगढ़ी की अकादमिक स्वीकार्यता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

बहुआयामी साहित्यिक अवदान और रचनाएँ

11 मई 1961 को दुर्ग जिले के ग्राम बेलौदी (मालूद) में जन्मे दुर्गा प्रसाद पारकर ने साहित्य की विविध विधाओं में अपनी सृजनात्मकता का लोहा मनवाया है। लोक संस्कृति पर लिखी उनकी किताबें 'चिन्हारी' और 'जस-जंवारा' छत्तीसगढ़ की जीवनशैली और लोक आस्था का दर्पण हैं। नाटक के क्षेत्र में उन्होंने 'शिवनाथ', 'सुकवा', 'चंदा', 'सोनचिरई' और 'सुराजी गांव' जैसी कृतियों से लोक रंगमंच को समृद्ध किया। वहीं, उपन्यास विधा में 'केंवट कुंदरा', 'बहू हाथ के पानी' और 'दिलासा देवी केवट' उनकी प्रमुख रचनाएं हैं।

अनुवाद, संपादन और पत्रकारिता से भाषायी विस्तार

मौलिक लेखन के साथ-साथ पारकर जी ने मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास निर्मला और प्रतिज्ञा तथा व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की कृतियों का छत्तीसगढ़ी में अनुवाद कर दोनों भाषाओं के बीच सेतु का काम किया। इसके अतिरिक्त, लोक मंजरी, छत्तीसलोक और धरोहर जैसी पत्रिकाओं के संपादन के जरिए उन्होंने नए रचनाकारों को मंच प्रदान किया और साहित्यिक आंदोलनों को गति दी।

मातृभाषा के सम्मान को समर्पित सफर

पूर्व में प्रेम साइमन सम्मान, केयूर भूषण सम्मान और छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग सम्मान से अलंकृत पारकर जी की पांच पसर पानी (उपन्यास), दू बीजा चांउर और बालगीत संग्रह संगवारी जल्द ही प्रकाशनाधीन हैं। लाला जगदलपुरी राज्य अलंकरण मिलने की घोषणा से प्रदेश भर के साहित्यकारों और भाषा-प्रेमियों में खुशी की लहर है।

दुर्गा प्रसाद पारकर उन साहित्यकारों में शामिल हैं, जिन्होंने छत्तीसगढ़ी भाषा को केवल बोलचाल और लोक व्यवहार की भाषा तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि उसे साहित्य, शोध, उच्च शिक्षा और अकादमिक विमर्श से जोड़ने का निरंतर प्रयास किया। विशेष रूप से पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में एम.ए. छत्तीसगढ़ी पाठ्यक्रम प्रारंभ कराने की दिशा में उनकी पहल और सक्रिय भूमिका उन्हें एक अलग पहचान प्रदान करती है। इसी योगदान के लिए उन्हें एम.ए. छत्तीसगढ़ी का प्रवर्तक भी माना जाता है। यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ी भाषा के शैक्षणिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

लोक संस्कृति और जनजीवन के सशक्त रचनाकार

पारकर का साहित्यिक व्यक्तित्व बहुआयामी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लोकजीवन, सामाजिक संरचना, पारिवारिक संबंधों, लोक परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और आम आदमी के संघर्षों को अपनी रचनाओं का विषय बनाया है। उनकी लेखनी में छत्तीसगढ़ की मिट्टी की गंध, ग्रामीण जीवन की सहजता, लोकमानस की संवेदनाएं और समाज की वास्तविक तस्वीर दिखाई देती है।

उनकी चर्चित कृति चिन्हारी छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपराओं और जीवनशैली को समझने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस कृति के माध्यम से उन्होंने छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान, लोक व्यवहार और सामाजिक जीवन के विविध पक्षों को साहित्यिक अभिव्यक्ति प्रदान की। इसके अतिरिक्त जस-जंवारा जैसी कृति के माध्यम से भी उन्होंने लोक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को साहित्य में स्थान दिया। प्रकाशनाधीन किताबों में सामाजिक समरसता की औपन्यासिक कृति पांच पसर पानी, छत्तीसगढ़ी उपन्यास दू बीजा चांउर, और छत्तीसगढ़ी बालगीत संग्रह संगवारी शामिल हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 154वीं तिमाही समीक्षा बैठक संपन्न



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 154वीं तिमाही समीक्षा बैठक कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) एवं कार्यकारी अध्यक्ष पवन कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में एक मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी, महाप्रबंधक प्रभारी (संपर्क, प्रशासन एवं जनसंपर्क) अमूल्य प्रियदर्शी, उप महाप्रबंधक राघवेन्द्र कुमार गर्ग सहित ऑनलाइन माध्यम से विभाग प्रमुख और हिंदी समन्वय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के आरंभ में अमूल्य प्रियदर्शी ने पवन कुमार का स्वागत किया। राघवेन्द्र कुमार गर्ग ने कहा कि संयंत्र में राजभाषा का अधिकाधिक प्रयोग सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयासरत हैं। पवन कुमार ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र 1991 से भारत सरकार द्वारा हिंदी में कार्यालयीन कामकाज के लिए अधिसूचित संस्थान है। हम सभी शत-प्रतिशत हिंदी में कामकाज करें। उन्होंने राजभाषा पखवाड़ा-2026 के सफल आयोजन का श्रेय सभी विभागों को दिया और कम हिंदी पत्राचार वाले विभागों को प्रतिशत बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कवि सम्मेलन और नाट्य प्रस्तुति जैसे आयोजनों की आवश्यकता बताई।

उप प्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने विगत बैठक के अनुपालन प्रतिवेदन और आगामी कार्यसूची का वाचन किया।

करंट लगने से मजदूर की मौत

भिलाई। औद्योगिक नगरी भिलाई में एक बार फिर कंपनी परिसर में मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में है। जामुल थाना क्षेत्र स्थित ढक्ष 3 प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी परिसर में ट्रेलर पर सामान लोडिंग के दौरान अचानक हाईटेंशन बिजली का तार टूटकर गिर गया। इसकी चपेट में आने से 34 वर्षीय मजदूर किशन महतो गंभीर रूप से झुलस गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, किशन महतो कंपनी परिसर में ट्रेलर पर सामान लोडिंग का काम कर रहा था।

बीएसपी आवास : राउरकेला में लाइसेंस, भिलाई में क्यों नहीं? विधायक देवेंद्र ने लिखा BSP DIC को पत्र



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल भिलाई स्टील प्लांट के आवासों से लीज, लाइसेंस और रिटेंशनधारियों को खाली कराने की कार्रवाई के बीच विधायक देवेंद्र यादव ने बीएसपी प्रबंधन के सामने नया विकल्प रखा है। उन्होंने राउरकेला स्टील प्लांट की क्वार्टर लाइसेंसिंग स्कीम-2026 का हवाला देते हुए डायरेक्टर इंचार्ज को पत्र लिखा है।

30 अक्टूबर को लिखे पत्र में विधायक ने मांग की है कि राउरकेला की तर्ज पर भिलाई में भी आवासों को लाइसेंस आधार पर आवंटित किया जाए। उन्होंने कहा कि जो परिवार लंबे समय से भिलाई में रह रहे हैं और आवास खाली नहीं कर रहे हैं, उन्हें इस योजना के तहत राहत दी जा सकती है।

राउरकेला की स्कीम में क्या है?

राउरकेला स्टील प्लांट ने 9 अक्टूबर 2026 को टाउन सर्विसेज डिपार्टमेंट के जरिए स्कीम शुरू की है। इसके तहत वर्तमान कर्मचारी, सेवानिवृत्त, VRS लेने वाले, 57 साल बाद इस्तीफा देने वाले पूर्व कर्मचारी और मृत कर्मचारियों के पात्र जीवनसाथी आवेदन कर सकते हैं। आवास 55 महीने के लाइसेंस पर दिए जाएंगे, जिसे 11 महीने के लिए बढ़ाया जा सकेगा। आवेदन की अंतिम तारीख 8 नवंबर 2026 है।

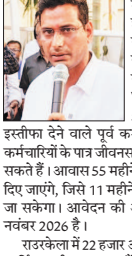

राउरकेला में 22 हजार आवास हैं, जबकि कार्मिक करीब 9 हजार हैं। प्रबंधन खाली आवासों से राजस्व अर्जित करने की दिशा में इस योजना को देख रहा है। विधायक देवेंद्र यादव वर्तमान में दिल्ली में हैं, लौटने पर वे बीएसपी के DIC और ED HR से मिलकर इस पर अमल की बात रखेंगे। अब नजर बीएसपी प्रबंधन के फैसले पर है।

बीएसपी में कस्टमर मीट संपन्न, पारदर्शिता और डिजिटलीकरण पर दिया जोर



सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के विपणन एवं व्यवसाय नियोजन विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर इस्पात भवन में कस्टमर मीट का आयोजन किया गया। समारोह में डिफेक्टिव स्टील स्क्रैप, स्लैग, कोल केमिकल्स, पिग आयरन और कमर्शियल रेल्स के ग्राहक शामिल हुए। साथ ही विजिलेन्स, वित्त, सी एंड आईटी, एमआरडी, स्टोर्स और भिलाई ग्रुप ऑफ माइंस के अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ GM (मार्केटिंग) सुश्री चैताली दास के स्वागत उद्बोधन से हुआ। इसके बाद सभी ने सतर्कता प्रतिज्ञा ली। मुख्य अतिथि ED (सामग्री प्रबंधन) एके चक्रवर्ती ने सभी व्यावसायिक लेन-देन में पारदर्शिता, सत्यनिष्ठा और वैधानिक अनुपालन पर जोर दिया। GM (मार्केटिंग) सुश्री दीप्ति राज ने विभाग की गतिविधियों और डिजिटल पहलों की जानकारी दी, जिसका उद्देश्य मानवीय त्रुटियों को कम कर पारदर्शिता बढ़ाना है। DGM (जिलेन्स) नवनीत शर्मा ने एंटी-ब्राइबरी मैनेजमेंट सिस्टम और त्रैमासिक कैपेन की जानकारी दी।

महर्षि दयानंद का पुण्य स्मरण: आर्य समाज ने दिया प्रेम, करुणा और परोपकार का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आर्य समाज मंदिर सेक्टर-6 में महर्षि दयानंद सरस्वती के पुण्य स्मरण पर विशेष सत्संग का आयोजन किया गया। प्रधान अवनी भूषण पुरंग ने छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी।

सत्संग में आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के साथ भयमुक्त, अभावमुक्त, पाखंडमुक्त और संस्कारी छत्तीसगढ़ भी जरूरी है। केवल सड़कों और इमारतों से विकास पूरा नहीं होता, नागरिकों के चरित्र और सद्भाव से आदर्श समाज बनता है। उन्होंने महर्षि के जीवन प्रसंग का जिक्र करते हुए कहा कि विष देने वाले को भी महर्षि ने क्षमा कर धन देकर सुरक्षित



जाने को कहा, यह उनकी करुणा का परिचायक है।

आचार्य ने कहा, "किसी ने दो गालियां दीं तो हम बीस लौटाने की तैयारी में लग जाते हैं। हमारा व्यवहार हमारी पहचान होना चाहिए, सामने वाले का नहीं।" चंदन और कुल्हाड़ी का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि "कुल्हाड़ी चंदन को काट सकती है, उसकी सुगंध को नहीं। हमें भी दूसरों के दुर्व्यवहार से अपनी अच्छाई नहीं छोड़नी चाहिए।"

वृद्धाश्रम में सेवा

सत्संग के बाद सेक्टर-8 स्थित आस्था वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को सेव, बूंदी का प्रसाद और पंखे भेंट किए गए। रामकुमार नौखारे, रवीन्द्र सोनी, दीपिका प्रधान, कौस्तुभ नायक और रवि आर्य का सहयोग रहा। कार्यक्रम में वंदना सिंह, नमित क्षत्रिय, सुशीला सिन्हा, हेमा सक्सेना सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। मंत्र पाठ और संचालन अंकित शर्मा शास्त्री ने किया।

सार्वजनिक स्थान पर धारदार हथियार लेकर डराने-धमकाने वाला आरोपी हुआ गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

डबरापारा स्थित मुक्तिधाम के पास धारदार हथियार लेकर लोगों को डराने-धमकाने वाले आरोपी को पुरानी भिलाई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति गुंडीनुमा हथियार लेकर आम नागरिकों को भयभीत कर रहा है। सूचना मिलते ही टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा।

आरोपी के कब्जे से एक धारदार गुंडीनुमा हथियार जप्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 631/2026 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेश किया गया। आरोपी का नाम: भगवत साहू, उम्र 33 वर्ष, निवासी डबरापारा, थाना पुरानी भिलाई। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि अवैध हथियार लेकर घूमने वालों की सूचना तत्काल पुलिस को दें।



खास खबर

श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल मानव सेवा और समर्पण की अद्भुत मिसाल : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और नवा रायपुर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल ने इस भावना को अपने सेवा कार्यों के माध्यम से साकार किया है। अस्पताल द्वारा 45 हजार बच्चों की सफल शल्य चिकित्सा का ऐतिहासिक आंकड़ा पार करना केवल चिकित्सा क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, करुणा और निःस्वार्थ सेवा की अनुपम मिसाल है। इस संस्थान ने हजारों मासूम बच्चों को नया जीवन देने के साथ उनके परिवारों के जीवन में आशा, विश्वास और खुशियां लौटाई हैं। मुख्यमंत्री श्री साय आज नवा रायपुर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में 45 हजार बच्चों की शल्य चिकित्सा पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम एवं जनजातीय विद्यार्थियों के लिए प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज भवन तथा डॉरमेटरी के भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए श्री सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के पदाधिकारियों, चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ और अस्पताल की पूरी सेवाभावी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि किसी भी परिवार के लिए उसके बच्चे का स्वस्थ जीवन सबसे बड़ी खुशी होती है। जब कोई मासूम गंभीर बीमारी से जूझ रहा होता है, तब पूरा परिवार चिंता और पीड़ा से गुजरता है। ऐसे कठिन समय में निःशुल्क उपचार के माध्यम से बच्चों को स्वस्थ जीवन प्रदान करना अत्यंत पुण्य और मानवता की सच्ची सेवा का कार्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल ने यह सिद्ध किया है कि चिकित्सा सेवा केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में संवेदना, विश्वास और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने का भी सशक्त माध्यम है। संस्थान द्वारा सेवा और समर्पण की भावना से किए जा रहे कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जनजातीय विद्यार्थियों के लिए नर्सिंग कॉलेज की स्थापना की पहल को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे प्रदेश के जनजातीय अंचलों के युवाओं, विशेषकर बेटियों को स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे। गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग शिक्षा के माध्यम से युवा आत्मनिर्भर बन सकेंगे और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अपना उज्ज्वल भविष्य निर्मित कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। स्वास्थ्य अधोसंरचना के विस्तार के साथ प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ और स्वास्थ्यकर्मियों की आवश्यकता भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज स्वास्थ्य शिक्षा के विस्तार के साथ प्रदेश में कुशल मानव संसाधन तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ संवेदनशील और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता भी आवश्यक है। यह संस्थान जनजातीय युवाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ समाज सेवा के लिए भी प्रेरित करेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार का संकल्प है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर गरीब, वंचित और दूरस्थ अंचलों में निवासरत परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिले।

छग हॉकी लीग पूरे देश के लिए रोल मॉडल, हॉकी देश का गौरव : केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगी : मुख्यमंत्री साय



नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने विजेता एवं उपविजेता टीमों सहित प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस आयोजन ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुभवी खिलाड़ियों से सीखने का अवसर प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हमारे गांवों, जनजातीय अंचलों और दूरस्थ क्षेत्रों में अपार खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं। आवश्यकता है उन्हें उचित अवसर, आधुनिक प्रशिक्षण और बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की। राज्य सरकार इसी उद्देश्य के साथ खेल अधोसंरचना के विस्तार और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग ने प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों को खेल के माध्यम से एक सूत्र में पिरोने का सराहनीय कार्य किया है। प्रतियोगिता में छह टीमों—राजधानी रॉयल्स, न्यायधानी नाइट्स, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स, चक्रधर चैंपियंस, बैलाडीला बुल्स और मैनपाट टाइटंस ने भाग लिया। इन छह टीमों की सहभागिता ने इस आयोजन को पूरे छत्तीसगढ़ का खेल उत्सव बना दिया। बस्तर से लेकर सरगुजा और रायगढ़ से लेकर राजनांदगांव तक के खिलाड़ियों को आपस में खेलने, अनुभव साझा करने और अपनी खेल क्षमता को निखारने का अवसर मिला।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस लीग की एक बड़ी विशेषता प्रत्येक टीम में एक-एक ओलंपिक खिलाड़ी की सहभागिता रही। इससे प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले अनुभवी खिलाड़ियों के साथ मैदान साझा करने और खेल की बारीकियां सीखने का अवसर मिला। इस प्रकार के आयोजन युवा खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ ही उन्हें भविष्य की बड़ी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का संदेश ह्यचलव रे संगी, हॉकी खेलबोह्ण प्रदेश के युवाओं को खेल के मैदान से जोड़ने का प्रेरक मंत्र बनकर सामने आया है। इस आयोजन की विशेष बात यह भी रही कि प्रतियोगिता के मुकाबलों के प्रसारण की व्यवस्था जियोहॉटस्टार पर की गई। इससे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों की प्रतिभा को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचने का अवसर मिला। हिंदी के साथ छत्तीसगढ़ी भाषा में कमेंट्री की व्यवस्था ने आयोजन को और अधिक आत्मीय तथा स्थानीय संस्कृति से जुड़ा बनाया। हॉकी के रोमांच के साथ छत्तीसगढ़ी भाषा की मिठास भी दर्शकों तक पहुंची।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को पहचानने, उन्हें प्रोत्साहित करने तथा बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन की शुरूआत की गई है। इस मिशन के माध्यम से गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें प्रशिक्षण केंद्रों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। सरकार का उद्देश्य है कि संसाधनों के अभाव में किसी भी प्रतिभाशाली खिलाड़ी का सपना अधूरा न रह जाए।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ हॉकी लीग से भी ऐसी प्रतिभाएं सामने आएंगी, जो भारतीय हॉकी टीम की जर्सी पहनकर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश के लिए पदक जीतेंगी। श्री साय ने छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के सफल आयोजन के लिए आयोजकों, सभी छह टीमों के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं प्रदेश में सकारात्मक खेल संस्कृति को मजबूत करने और युवाओं को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का आयोजन पूरे देश के लिए रोल मॉडल है। यदि सरकार में दृढ़ इच्छाशक्ति हो, तो ऐसे सफल आयोजन संभव हैं। ऐसे आयोजनों से खेलों के विकास के साथ ही अच्छे खिलाड़ियों का निर्माण होता है, जो खेलों की प्रगति के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हॉकी का खेल देश का गौरव है। हॉकी भारत की समृद्ध खेल परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद ने अपने अद्भुत खेल कौशल से पूरी दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाया। उनकी उपलब्धियां आज भी देश के युवा खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती हैं।

डॉ. मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के प्रति एक नया वातावरण तैयार हुआ है। खेलो इंडिया और फिट इंडिया जैसे अभियानों ने युवाओं में खेलों के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाई है। आज देश के युवा खेल को केवल मनोरंजन या शारीरिक दक्षता का माध्यम नहीं, बल्कि अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और उज्ज्वल भविष्य बनाने के महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देख रहे हैं।

डॉ. मांडविया ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का स्वरूप और अधिक व्यापक तथा प्रतिस्पर्धात्मक होगा। यह लीग न केवल प्रदेश, बल्कि देश के खिलाड़ियों के लिए आगे बढ़ने का सशक्त मंच बनेगी। निश्चित ही इससे राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर छत्तीसगढ़ की एक नई पहचान भी स्थापित होगी।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्रीद्वय अरुण साव और विजय शर्मा, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद बृजमोहन अग्रवाल तथा छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के एंबेसडर सरदार सिंह भी समापन समारोह में शामिल हुए।



राज्योत्सव कार्यक्रम

केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने किया तीन दिवसीय राज्योत्सव 2026 का भव्य शुभारंभ

विकसित छत्तीसगढ़ से साकार होगा विकसित भारत का संकल्प : डॉ. मनसुख मांडविया





नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प ही विकसित भारत के निर्माण को नई गति प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसे साकार करने में छत्तीसगढ़ जैसे समृद्ध संसाधनों, गौरवशाली संस्कृति और अपार संभावनाओं वाले राज्यों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। प्रदेश में जनकल्याणकारी योजनाओं, अधोसंरचना विकास, औद्योगिक निवेश और रोजगार के अवसरों के विस्तार से विकास की नई संभावनाएं साकार हो रही हैं। केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया आज छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव 2026 के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

अटल जी ने छत्तीसगढ़ निर्माण का जो सपना देखा, वह आज हो रहा साकार : डॉ. मांडविया

केंद्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के पीछे स्थानीय जनता की आकांक्षाओं को नई पहचान देने और विकास की संभावनाओं को साकार करने की भावना थी। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर प्रदेश के विकास की मजबूत नींव रखी थी। आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश उसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए विकास के नए पथ पर अग्रसर है।

डॉ. मांडविया ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति, समृद्ध लोकपरंपराएं, प्राकृतिक संपदा और यहां के लोगों की कर्मठता प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत हैं। एक समय बस्तर की चर्चा मुख्य रूप से नक्सलवाद के कारण होती थी, लेकिन आज वहां खेल, पर्यटन, संस्कृति और विकास की नई संभावनाएं सामने आ रही हैं। बस्तर की प्रतिभाएं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं। औद्योगिक निवेश के क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ महत्वपूर्ण गंतव्य के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि विकास की इस यात्रा में अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को सहेजते हुए आगे बढ़ना आवश्यक है। जब देश के सभी राज्य अपनी विशिष्ट क्षमताओं और संसाधनों के आधार पर विकसित होंगे, तभी विकसित भारत का संकल्प पूर्ण होगा।

अटल जी ने निभाया छत्तीसगढ़ निर्माण का वादा : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज का दिन छत्तीसगढ़ के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विकास की यात्रा को स्मरण करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने छत्तीसगढ़ की जनता से राज्य निर्माण का वादा किया था। प्रदेशवासियों ने उनके नेतृत्व पर विश्वास जताया और उन्होंने अपना वादा पूरा करते हुए 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ को अलग राज्य का स्वरूप प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी को नमन करते हुए कहा कि उनके दूरदर्शी नेतृत्व में निर्मित छत्तीसगढ़ आज विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। राज्य गठन के समय प्रदेश में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं की अनेक चुनौतियां थीं। बीते वर्षों में इन क्षेत्रों में व्यापक विस्तार हुआ है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ़ कर गरीब परिवारों को रियायती दर पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने की व्यवस्था ने प्रदेश में खाद्य सुरक्षा को नई मजबूती प्रदान की।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि नक्सलवाद लंबे समय तक बस्तर के विकास में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक रहा। प्राकृतिक सौंदर्य, वन एवं खनिज संपदा से समृद्ध होने के बावजूद नक्सलवाद के कारण बस्तर के अनेक क्षेत्रों तक विकास की सुविधाएं अपेक्षित रूप से नहीं पहुंच सकीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सशक्त नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के दृढ़ संकल्प एवं मार्गदर्शन में नक्सलवाद का उन्मूलन हुआ। सुरक्षा बलों के अदम्य साहस, पराक्रम और बस्तरवासियों के सहयोग से आज बस्तर नक्सलवाद की चुनौती से निकलकर शांति, विश्वास और विकास के नए युग की ओर बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर की जनता शांति और विकास चाहती है। राज्य सरकार का संकल्प है कि बस्तर के दूरस्थ से दूरस्थ गांव तक सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी आवश्यक सुविधाएं पहुंचें। नक्सलवाद से प्रभावित रहे क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए स्थानीय युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा रहे हैं। उन्होंने इस अभियान में सुरक्षा बलों के जवानों के साहस, समर्पण और बलिदान को नमन किया।

मोदी की गारंटी पूरी कर रही सरकार : गरीबों, किसानों और महिलाओं के जीवन में आ रहा सकारात्मक बदलाव

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की गारंटियों को पूरा करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 1,600 पक्के आवास तैयार हो रहे हैं। यह केवल मकानों का निर्माण नहीं, बल्कि गरीब परिवारों के सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य के सपनों को साकार करने का अभियान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की खुशहाली राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रदेश में किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जा रही है। किसानों को लंबित बोनस का भुगतान कर उनके प्रति किए गए वादे को भी पूरा किया गया है।

उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की माताओं-बहनों के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बनी है। इस योजना के अंतर्गत 68 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। महिलाओं के बैंक खातों में सीधे पहुंच रही सहायता राशि से उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में उन्हें आर्थिक संबल मिला है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में चरण पादुका योजना को पुनः प्रारंभ किया गया है। भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इन योजनाओं का उद्देश्य समाज के गरीब, वंचित और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

श्री रामलला दर्शन योजना से श्रद्धालुओं का अयोध्या दर्शन का सपना हुआ साकार

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम का ननिहाल है और यहां के जनजीवन में भगवान श्रीराम के प्रति गहरी आस्था है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण और प्रभु श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा से प्रदेशवासियों में अपार उत्साह है। उन्होंने बताया कि श्री रामलला दर्शन योजना के माध्यम से अब तक प्रदेश के 50 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या जाकर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन कर चुके हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के श्रद्धालुओं को भी इस पवित्र तीर्थयात्रा का अवसर प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य गठन के समय प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, जबकि आज शासकीय एवं निजी क्षेत्र को मिलाकर 21 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। यह प्रदेश में स्वास्थ्य शिक्षा और चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में राष्ट्रीय स्तर के उच्च शिक्षण संस्थानों की स्थापना हुई है। युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि छत्तीसगढ़ के युवाओं को अपनी प्रतिभा और क्षमता के अनुरूप आगे बढ़ने के अधिक से अधिक अवसर प्राप्त हों।

समारोह को संबोधित करते हुए संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, जनजातीय परंपराएं और ऐतिहासिक विरासत प्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। पंडवानी, पंथी, ददरिया सहित यहां की लोककलाएं हमारी सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश की लोककलाओं के संरक्षण, संवर्धन और कलाकारों को सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। पंडवानी की महान साधिका स्वर्गीय तीजन बाई की स्मृति में राज्य अलंकरण की शुरूआत की गई है। श्री अग्रवाल ने कहा कि चित्रकोट जलप्रपात, सिरपुर, राजिम, रामगढ़ की प्राचीन गुफाएं और मैनपाट जैसे पर्यटन स्थल देश-दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित करने की अपार क्षमता रखते हैं। पर्यटन के विस्तार से स्थानीय युवाओं, महिलाओं, हस्तशिल्पकारों और छोटे व्यवसायियों के लिए रोजगार एवं आय के नए अवसर सृजित होंगे। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, उपमुख्यमंत्री अरुण साव एवं विजय शर्मा, राज्य सरकार के मंत्रीगण, सांसद, विधायकगण, विभिन्न निगमों, मंडलों एवं आयोगों के पदाधिकारी, वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

संपादकीय

नक्सलवाद खत्म फिर सुरक्षा क्यों जरूरी है

सुरक्षा की जरूरत तो तब जायज मानी जाती है जब उच्च पदों पर बैठे हुए लोगों की जान जाने का खतरा होता है,उन पर कभी भी हमला होने का खतरा होता है। जब तक छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद था, तब तक तो नेताओं की सुरक्षा जरूरी थी,यह बात लोगों को समझ आती है कि लेकिन नक्सलियों के सफाए के बाद बस्तर सहित अन्य क्षेत्र के नेताओं की अब खास जरूरत नहीं है क्योंकि जिनसे बस्तर के नेताओं सहित अन्य लोगों का जान का खतरा था, उनका तो सफाया कर दिया गया है यानी हमला करने वाले,जान लेने वाले अब नहीं बचे हैं तो नेताओं को किससे खतरा है। यह तय समय मार्च-26 तक नक्सलियों का सफाया कर दिया गया है। इसके बाद छह माह हो गए है यह जानने के लिए कि बस्तर के नेताओं सहित अ ऱ्य नेताओं की सुरक्षा की जरूरत है क्या। है तो कितनी है।

नेताओं की सुरक्षा यूं ही नहीं हो जाती है, उसमें करोड़ों रुपए खर्च होते हैं ।जब तक जरूरी था करोड़ो रुपए खर्च किए जाते थे अब होना यह चाहिए कि सुरक्षा को खत्म किया जाना चाहिए और जो करोड़ो रुपए सुरक्षा के नाम पर खर्च हो रहे हैं,उनका राज्य के विकास में सदुपयोग करना चाहिए। साय सरकार ने छह माह देखने के बाद अब नेताओं की सुरक्षा के नाम पर जो खर्च हो रहा था, उसमें कटौती शुरू कर दी है ।साय सरकार चाहती तो सुरक्षा छह माह बाद समाप्त भी कर सकती थी लेकिन उसमें छह माह बाद थोड़ी से कटौती की है। अब छह माह और देखा जाएगा उसके बाद और कटौती की जाएगी,इससे ऐसा लगता है कि साय सरकार नेताओं की सुरक्षा में एकदम से कटौती नहीं करना चाहती है ।वह धीरे धीरे कटौती करना चाहती ताकि पक्ष और विपक्ष के सुरक्षा प्राप्त नेता नाराज न हों।

आंकड़ों के मुताबिक नक्सलवाद खत्म होने के बाद भी 400 नेताओं की वीआईपी सुरक्षा में 1550 पुलिस कर्मी तैनात हैं। छह माह की समीक्षा के बाद सीएम साय ने नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर 40 नेताओं की वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था हटाने का आदेश दिया है। 50 से अधिक नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था कैटेगरी को कम किया गया है। अभी तक 11 नेताओं के पास जेड प्लस सुरक्षा व्यवस्था थी,अब केवल सीएम व राज्यपाल के लिए ही जेड प्लस सुरक्षा व्यवस्था रहेगी ।बस्तर के केदार कश्यप,महेश गागड़ा,दीपक बैज,महेंद्र कर्मा के परिवारजनों की सुरक्षा को जेड कर दिया गया है। इससे पुलिस को 200 जवान वापस मिल जाएंगे। सीएम के आदेश पर जिन 40 नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था हटाई गई है,उसमे बस्तर के सरपंच,मंडल अध्यक्ष,नक्सलियों के हाथों मारे गए लोगों के परिजन शामिल है। इसके अलावा जिनकी सुरक्षा कम की गई है, उसमें अधिकतर जेड व वाई प्लस वाले हैं। पूर्व सीएम भूपेश बघेल,सांसद महेश कश्यप जैसे लोगों की सुरक्षा व्यवस्था यथावत है।

कुछ नेताओं की सुरक्षा कम की गई है तो इसका मतलब यह नहीं है कि नेताओं को सुरक्षा के लिए भविष्य में कुछ नहीं किया जाएगा जैसे पहले कोई सुरक्षा जरूरी बताता था तो उसे जिस तरह स्थानीय स्तर पर सुरक्षा दी जाती थी,अब भी वैसी सुरक्षा पर मांगने पर दी जाएगी। नक्सलवाद के रहते बस्तर के तो तमाम नेताओं की जान की सुरक्षा को खतरा था,इसलिए बस्तर के नेताओं की सुरक्षा की ओर सबसे ज्यादा ध्यान दिया भी गया था,नेताओं की सुरक्षा के कारण बहुत से नेताओं की जान बची है,यह सरकार की जिम्मेदारी थी और उसने अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह बखूबी किया है। पक्ष विपक्ष में भेद न कर जिनकी सुरक्षा जरूरी थी,सबको जरूरत के मुताबिक सुरक्षा दी गई। अब नेताओं को खुद ही सुरक्षा व्यवस्था के घेरे से बाहर आना चाहिए और होने वाले करोड़ो खर्च को बचाने का काम करना चाहिए।

माना जाता है कि नेताओं को जब आदत हो जाती सुरक्षा व्यवस्था मे रहने की उनको सुरक्षा की जरूरत न रहने पर भी अपने दबदबे के लिए सुरक्षा व्यवस्था जरूरी लगती है। दो दशक से यहां के नेताओं को सुरक्षा की आदत लगी हुई है, वह इसे अपनी इच्छा से तो कम करने से रहे,यह बात सरकार भी जानती है,इसलिए वह सुरक्षा व्यवस्था धीरे धीरे कम कर रही है नेताओं का पद बड़ा हो न हो उसकी सुरक्षा मे ज्यादा आदमी होते हैं तो उसको लगता है कि मैं बड़ा आदमी हूं ।इसलिए बीच में नेताओ ने जरूरत हो न हो सुरक्षा के लिए ज्यादा लोगों की जरूरत बताई है ताकि उनका रुतबा बढ़े और उनको खास समझा जाए।अब आम लोगों के बीच बड़े नेताओं को किसी तरह की सुरक्षा की जरूरत नहीं है तो उनको खुद ही सुरक्षा के घेरे से बाहर आकर उदाहरण पेश करना चाहिए दूसरे नेताओं के लिए।

आधुनिक तकनीक से जीवंत हुई जनजातीय अमर बलिदानियों की शौर्यगाथाएं

डॉ. ओम हरिया सहायक जनसंपर्क अधिकारी

छत्तीसगढ़ की पावन धरा सदियों से त्याग, तपस्या, संघर्ष और स्वाभिमान की साक्षी रही है। यहांह्क के घने जंगलों, पर्वतों और वनांचलों में स्वतंत्रता की ऐसी अनगिनत गाथाएं जन्मीं, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाकर रख दी थी। इतिहास के पन्नों में अपेक्षित स्थान नहीं पा सके इन जनजातीय नायकों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को अब एक नई पहचान मिली है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी नेतृत्व और जनजातीय कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में नवा रायपुर अटल नगर में निर्मित शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय देश में जनजातीय शौर्य, स्वाभिमान और आधुनिक डिजिटल तकनीक के अनूठे संगम के रूप में उभरा है। यह भव्य संग्रहालय केवल ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण केंद्र नहीं, बल्कि उन अमर बलिदानियों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का जीवंत प्रतीक है, जिन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता और जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया।



छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर 1 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य संग्रहालय को राष्ट्र को समर्पित किया था। यह अवसर केवल एक संग्रहालय के लोकार्पण का नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के संकल्प की सार्थक अभिव्यक्ति का था। लगभग 50 से 55 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह अत्याधुनिक संग्रहालय जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली देश की विशिष्ट परियोजनाओं में शामिल है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और ऐतिहासिक योगदान को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। यह संग्रहालय उसी सोच का साकार स्वरूप है, जिसमें विकास के साथ अपनी जड़ों, संस्कृति और पुरखों के बलिदान को सहेजने का संकल्प निहित है। विशेष रूप से जनजातीय पृष्ठभूमि से आने वाले मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में इस ऐतिहासिक धरोहर का निर्माण प्रदेश के जनजातीय समाज के गौरव और आत्मसम्मान को नई ऊंचाई प्रदान करता है।

भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 में सोनाखान के अमर शहीद वीर नारायण सिंह ने जिस साहस और स्वाभिमान का परिचय दिया, वह आज भी छत्तीसगढ़ की सामूहिक चेतना में जीवित है। अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध उनका संघर्ष केवल विद्रोह नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, सामाजिक न्याय और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण था। इस संग्रहालय में वीर नारायण सिंह सहित उन असंख्य जनजातीय योद्धाओं की गाथाओं को जीवंत किया गया है, जिनका संघर्ष स्वतंत्रता आंदोलन की मजबूत आधारशिला बना।

जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में स्थापित इस संग्रहालय की भव्य दीर्घाएं इतिहास के उन अध्यायों से परिचित कराती हैं, जिन्हें जानना प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है। यहां लगभग 650 से अधिक जीवंत मूर्तिशिल्पों के माध्यम से जनजातीय संघर्षों का प्रभावशाली चित्रण किया गया है। हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह और सोनाखान विद्रोह जैसी ऐतिहासिक घटनाएं दर्शकों को जनजातीय वीरता के उस दौर में ले जाती हैं, जब सीमित संसाधनों के बावजूद हमारे पुरखों ने शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य को चुनौती दी थी। झंडा सत्याग्रह और जंगल सत्याग्रह के लिए निर्मित विशेष दीर्घाएं स्वतंत्रता आंदोलन में छत्तीसगढ़ के योगदान को और व्यापक रूप में प्रस्तुत करती हैं।



इस संग्रहालय की सबसे बड़ी विशेषता इतिहास और आधुनिक तकनीक का अद्भुत समन्वय है। अत्याधुनिक वीएफएक्स तकनीक, डिजिटल प्रोजेक्शन, दृश्य-श्रव्य प्रस्तुतियों और जीवंत मूर्तिशिल्पों के माध्यम से ऐतिहासिक घटनाओं को इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है कि दर्शक स्वयं को उस कालखंड का साक्षी महसूस करते हैं। यहां इतिहास केवल पढ़ा या देखा नहीं जाता, बल्कि उसकी अनुभूति होती है। युद्धभूमि का वातावरण, वीर सेनानियों का संघर्ष, जनजातीय समाज की जीवनशैली और स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदान आधुनिक तकनीक के माध्यम से जीवंत हो उठते हैं।

डिजिटल सूचना प्रणाली इस संग्रहालय को विशेष पहचान प्रदान करती है। प्रत्येक दीर्घा में स्थापित डिजिटल बोर्ड, क्यूआर कोड और अन्य आधुनिक माध्यमों से आगंतुक संबंधित ऐतिहासिक घटनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन करते ही इतिहास की महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध हो जाती हैं। प्रशिक्षित गाइड भी दर्शकों को जनजातीय विद्रोहों और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान से परिचित कराते हैं। इस प्रकार यह संग्रहालय इतिहास, शोध, शिक्षा और पर्यटन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन रहा है। आगंतुकों की सुविधा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। संग्रहालय परिसर में स्वच्छ पेयजल, व्यवस्थित पार्किंग, सीसीटीवी सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर तथा शिशुवती माताओं के लिए शिशु देखभाल कक्ष जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन व्यवस्थाओं से बच्चों, बुजुर्गों, विद्यार्थियों और परिवारों के लिए संग्रहालय का भ्रमण सुविधाजनक और ज्ञानवर्धक बनता है।

लोकार्पण के बाद से ही इस ऐतिहासिक संग्रहालय के प्रति लोगों का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सामान्य दिनों में एक से दो हजार तथा अवकाश के दिनों में चार से पांच हजार तक दर्शक यहां पहुंच रहे हैं। शुभारंभ से अब तक तीन लाख से अधिक आगंतुकों का संग्रहालय का अवलोकन करना इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मुक्केबाज मैरीकॉम सहित विभिन्न राज्यों के प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, सैन्य जवानों और विदेशी पर्यटकों ने भी यहां प्रदर्शित जनजातीय शौर्यगाथाओं और छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत की सराहना की है।

यह संग्रहालय केवल अतीत की स्मृतियों को सहेजने तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का सशक्त माध्यम भी है। विशेषकर विद्यार्थियों और युवाओं को यह समझने का अवसर मिलता है कि भारत की स्वतंत्रता केवल कुछ महानगरों या चुनिंदा आंदोलनों के संघर्ष का परिणाम नहीं थी, बल्कि दूरस्थ वनांचलों में रहने वाले जनजातीय समाज ने भी इसके लिए असाधारण त्याग और बलिदान दिया था। यही कारण है कि यह स्मारक राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक गौरव और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इसके साथ ही संग्रहालय छत्तीसगढ़ में पर्यटन की नई संभावनाओं को भी विस्तार दे रहा है। देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की बढ़ती संख्या स्थानीय रोजगार, पर्यटन सेवाओं और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहित कर रही है। नवा रायपुर की पहचान अब आधुनिक प्रशासनिक राजधानी के साथ जनजातीय इतिहास और सांस्कृतिक पर्यटन के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में भी विकसित हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में निर्मित यह भव्य स्मारक इस बात का प्रमाण है कि अपनी ऐतिहासिक विरासत का सम्मान करते हुए आधुनिक तकनीक के माध्यम से उसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना ही सांस्कृतिक संरक्षण की सार्थक दिशा है। जनजातीय कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के सतत मार्गदर्शन में साकार यह संग्रहालय छत्तीसगढ़ के गौरवशाली अतीत और उज्ज्वल भविष्य के बीच एक मजबूत सेतु बन गया है।

नवा रायपुर की धरती पर खड़ा यह भव्य डिजिटल स्मारक आने वाली सदियों तक जनजातीय स्वाभिमान की अमर ज्योति प्रज्वलित रखेगा। इसकी प्रत्येक दीर्घा, प्रत्येक मूर्ति और प्रत्येक ऐतिहासिक दृश्य मानो यही संदेश देता है कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल पराधीनता से मुक्ति नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति, अस्मिता और स्वाभिमान की रक्षा का अटूट संकल्प है।

छत्तीसगढ़ के वीर जनजातीय पुरखों ने अपने रक्त से स्वतंत्रता का जो इतिहास लिखा था, उसे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आधुनिक तकनीक ने नई अभिव्यक्ति दी है। यह केवल एक संग्रहालय नहीं, बल्कि इतिहास का पुनर्जागरण, बलिदानियों का सम्मान और जनजातीय अस्मिता के गौरव का राष्ट्रीय उद्घोष है।

छत्तीसगढ़ के 26 वर्ष– संघर्ष, संकल्प और सर्वांगीण विकास की स्वर्णिम गाथा

धनंजय राठौरसंयुक्त संचालक, जनसंपर्क रायपुर

एक नवंबर 2000 को मध्यप्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ भारत का 26वां राज्य बना था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दूरदर्शी नेतृत्व में यह सपना साकार हुआ था। 1 नवंबर 2000 को जब मध्य प्रदेश से अलग होकर छत्तीसगढ़ एक नए राज्य के रूप में मानचित्र पर आया था, तब संसाधनों की कमी, प्रशासनिक चुनौतियों और पिछड़ेपन के बीच एक भविष्य गढ़ने की चुनौती सामने थी। आज अपनी स्थापना के 26 गौरवशाली वर्ष पूरे करते हुए छत्तीसगढ़ ने विकास के क्षेत्र में जो मील के पत्थर स्थापित किए हैं, वे न केवल प्रेरणादायक हैं, बल्कि यह दर्शाते हैं कि दृढ़ इच्छाशक्ति और जनसहभागिता से किसी भी राज्य की तकदीर कैसे बदली जा सकती है।

बजट और अर्थव्यवस्था में ऐतिहासिक छलांग

राज्य के गठन के शुरूआती दौर में सीमित वित्तीय संसाधनों के साथ करीब 7,000-8,000 करोड़ रुपये से शुरू हुआ छत्तीसगढ़ का बजट आज बढ़कर 1.72 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। यह इस बात का प्रमाण है कि राज्य की आर्थिकी तेजी से मजबूत हुई है। देश के ह्रदय के कटोरेह्र के रूप में पहचाना जाने वाला यह प्रदेश आज अपनी खनिज संपदा (कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट), इस्पात, सीमेंट और ऊर्जा उत्पादन के बूते देश के औद्योगिक नक्शे पर एक मजबूत स्तंभ बन चुका है। वैश्विक निवेश और आधुनिक उद्योगों के विस्तार से राज्य की अर्थव्यवस्था को नई गति मिली है।

महिला सशक्तिकरण

महिला सशक्तिकरण साय सरकार की प्रमुख पहचान के रूप में उभरा है। महतारी वंदन योजना की 31 किस्तों में लगभग 68 लाख पात्र महिलाओं को 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे खातों में दी जा चुकी है। प्रदेश में 13.85 लाख महिलएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। विहान मिशन में प्रदेश के 31 लाख से अधिक गरीब परिवारों की महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़ी हैं। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए संपत्ति की रजिस्ट्री में पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत और स्टाम्प शुल्क में एक प्रतिशत की रियायत दी गई है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की ताकत हमारे किसान

प्रधानमंत्री आवास (ग्रामीण) में अब तक 24.40 लाख आवास स्वीकृत हो चुके हैं। प्रदेश में औसतन करीब 1,600 आवास प्रतिदिन पूरे किए जा रहे हैं। ढाई वर्षों में पुराने और नए स्वीकृत आवास मिलाकर 11 लाख से अधिक घर लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं। किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान बेचने की सुविधा दी गई। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में 25.24 लाख किसानों से 141.04 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया। समर्थन मूल्य और कृषक उन्नति योजना को मिलाकर किसानों को लगभग 43,723 करोड़ रुपए की राशि दी गई। खरीदी व्यवस्था में ऑनलाइन टोकन, बायोमेट्रिक सत्यापन और रियल टाइम मॉनिटरिंग जैसे सुधार किसानों के लिए काफी सुविधाजनक रहे।

बस्तर संभाग के दूरस्थ, दुर्गम और जनजातीय क्षेत्रों में सड़क संपर्क के विस्तार की दिशा में केंद्र सरकार से महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। बस्तर की 485 बसाहटों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए स्वीकृति मिल चुकी है, वहीं 280 अन्य बसाहटों को बारहमासी सड़कों से जोड़ने के लिए 804.06 करोड़ रुपए की लागत के 263 सड़क कार्यों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। बस्तर में नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक अभियान के साथ विकास की गति को तेज करने तथा दूरस्थ गांवों को मुख्यधारा से जोड़ने के राज्य सरकार के प्रयासों को केंद्र सरकार का सहयोग मिल रहा है।

आधारभूत संरचना और संपर्क का विस्तार

बीते ढाई दशकों में छत्तीसगढ़ के बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व बदलाव आया है। गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ने (ग्रामीण सड़क नेटवर्क में लगभग 98 गुना वृद्धि) से लेकर राजधानी रायपुर और नवा रायपुर (अटल नगर) जैसी आधुनिक शहरी बसाहट ने राज्य के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। दूर-दराज के आदिवासी और वन अंचलों तक बिजली, पानी, पक्की सड़कें और डिजिटल कनेक्टिविटी (मोबाइल व इंटरनेट) पहुंच चुकी है, जिससे गांवों और शहरों के बीच की दूरियां सिमटी हैं। नवा रायपुर में डाटा सेंटर और आधुनिक तकनीक परियोजनाएं नई अर्थव्यवस्था से जुड़ रही हैं। सरकार सुशासन, वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत कर रही है। छत्तीसगढ़ में औद्योगिक विकास का केंद्र रोजगार सृजन और युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार है। प्रदेश की प्राकृतिक संपदा, कृषि उत्पादन और बेहतर अधोसंरचना निवेश के लिए अनुकूल आधार प्रदान करते हैं।



इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, टेक्सटाइल और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ ने 450 से अधिक ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधार लागू किए हैं। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस एक्ट 2026 लाने वाला राज्य देश का पहला राज्य बना। जन विश्वास सुधारों के जरिए 279 छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। वन-क्लिक सिंगल विंडो व्यवस्था, सरल भूमि डायवर्जन और रजिस्ट्री के बाद स्वतः नामांतरण जैसे सुधार किए गए हैं। नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के बाद 8 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जिनसे 1.72लाख से अधिक संभावित रोजगार के अवसर निर्मित होंगे।

शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास

मानव संसाधन विकास के बिना किसी भी राज्य की तरक्की अधूरी है। पिछले 26 वर्षों में इस दिशा में भी क्रांतिकारी कार्य हुए हैं। राज्य में साक्षरता दर बढ़कर करीब 79 प्रतिशत तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य सुविधाओं का दायरा बढ़ाते हुए जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों की संख्या में कई गुना इजाफा हुआ है, जिससे आम जनता को घर के नजदीक बेहतर इलाज मिलने लगा है। इसके अलावा, ह्मविहानह्म योजना जैसी पहलों के माध्यम से राज्य की लाखों महिलाओं (स्व-सहायता समूहों) को आजीविका और आर्थिक स्वावलंबन से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में मजबूती से स्थापित किया गया है।

मेडिकल कॉलेजों की संख्या में इजाफा

राजधानी रायपुर के नवा रायपुर क्षेत्र में मेडिसिटी हब विकसित किया जा रहा है, जिसमें 5,000 बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित करने की योजना है। रायपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मृति चिकित्सालय (मेकाहारा) में 700 बिस्तरों का अस्पताल तथा प्रदेश में 4 नए मेडिकल कॉलेजों का विस्तार किया जा रहा है। राज्य में शहीद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, श्री धन्वंतरी जेनेरिक मेडिकल स्टोर योजना, दाई दीदी मोबाइल क्लीनिक योजना, और बच्चों के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) जैसी योजनाएं संचालित हो रही हैं।

स्वस्थ छत्तीसगढ़ह्मकी परिकल्पना हो रहा है साकार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि चिकित्सा सेवाओं के विस्तार को गति प्रदान करते हुए गुणवत्तापूर्ण उपचार की उपलब्धता दूरस्थ क्षेत्रों तक सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण एवं सेवाओं की पहुंच में सुधार के माध्यम से स्वस्थ छत्तीसगढ़ की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है, जो विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य की प्राप्ति का आधार बनेगा। आज प्रदेश में आईआईएम, आईआईटी, ट्रिपल आईटी, एनआईटी, एम्स, लॉ यूनिवर्सिटी जैसी कई बड़ी संस्थाएं खुल गई हैं। इसके अलावा स्कूली शिक्षा में भी काफी विकास हुआ है हालांकि अभी इस दिशा में और काम करने की आवश्यकता है।

सुरक्षा, शांति और बस्तर की नई सुबह

छत्तीसगढ़ के विकास मार्ग में सबसे बड़ी बाधा रहे नक्सलवाद के खिलाफ पिछले कुछ वर्षों में निर्णायक और प्रभावी कदम उठाए गए हैं। सुरक्षा बलों के साहस, दूरदराज के क्षेत्रों में नए सुरक्षा शिविरों की स्थापना और साथ ही वहां शिक्षा, स्वास्थ्य व विकास योजनाओं के पहुंचने से लाल आतंक का दायरा तेजी से सिमटा है। बस्तर और सरगुजा के संवेदनहीन समझे जाने वाले कई इलाकों में अब विकास की किरणें पहुंच रही हैं, जिससे वहां के नागरिकों के जीवन में एक नया सवेरा और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित हो रहा है।

संस्कृति और आधुनिकता का अनूठा संगम

छत्तीसगढ़ ने अपनी आधुनिक विकास यात्रा के दौरान अपनी सांस्कृतिक जड़ों और आदिवासी धरोहर को पूरी सहेजकर रखा है। बस्तर की लोक संस्कृति, कर्मा-सुआ नृत्य, पारंपरिक लौहार और छत्तीसगढ़ी भाषा-खानपान आज देश-दुनिया में अपनी अनूठी पहचान बना चुके हैं। डिजिटल माध्यमों और मेलों (जैसे राज्योत्सव) के जरिए स्थानीय कला और शिल्प को वैश्विक मंच मिल रहा है। धान का कटोरा कहे जाने वाले इस राज्य ने अपनी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, बस्तरिया परंपरा, हरेली, सिरपुर के इतिहास और लोककला को सहेजते हुए आधुनिक तकनीक और औद्योगिक क्षेत्र में नई पहचान बनाई है।

शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का निर्माण नवा रायपुर (अटल नगर) में किया गया है। इसमें 14 से 15 विषय-आधारित गैलरी बनाई गई हैं, जिनमें बस्तर का घोटुल संस्थान, पारंपरिक कृषि, शिकार, चिकित्सा पद्धति, लोकनृत्य और रीतियां (जैसे नवाखानी और उरिदखानी) को दर्शाया गया है। यह संग्रहालय हलबा विद्रोह, परलकोट विद्रोह, भूमकाल आंदोलन और रानी चो-रिस (महिला नेतृत्व वाला विद्रोह) जैसे ऐतिहासिक आदिवासी संघर्षों और वीरों की गाथाओं को वर्चुअल रियलिटी और वीएफएक्स तकनीक के जरिए जीवंत करता है। संग्रहालय में जनजातियों के परंपरागत वाद्ययंत्रों, आवास एवं घरेलू उपकरण, शिकार उपकरण, उनमें कृषि की परंपरागत तकनीकें एवं उपकरणों का जीवंत प्रदर्शन, उनमें आग जलाने की पद्धतियां, लौह निर्माण, रस्सी निर्माण, फसल मिंजाई (पौधों से बीज अलग करना), कत्था निर्माण, चिवड़ा-लाई निर्माण, मंद आसवन, अन्न कुटाई व पिसाई, तेल प्रसंस्करण हेतु उपयोग में लाने जाने वाले उपकरणों व परंपरागत तकनीकों, सांस्कृतिक विरासत के अंतर्गत अबुझमाड़िया में घोटुल, भुंजिया जनजाति में लाल बंगला, जनजातियों में परम्परागत कला कौशल जैसे बांसकला, काष्ठकला, चित्रकारी, गोदनाकला, शिल्पकला आदि के जीवंत प्रदर्शन किया गया है।

विकसित और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण ओर अग्रसर

छत्तीसगढ़ अपने संसाधनों को आर्थिक अवसरों में बदलने की क्षमता रखता है। राज्य का लक्ष्य किसानों को समृद्ध करना, महिलाओं को सशक्त बनाना और युवाओं को अवसर देना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प ले रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के तहत विकसित और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए अग्रसर है। बस्तर के जंगलों में मौजूद सुरक्षा कैंप अब दूरदराज के गांव वालों के लिए सेवा और विकास के केंद्र बन रहे हैं। दूरस्थ गांवों में सार्वजनिक परिवहन के लिए ह्मयुक्तमंत्री ग्रामीण बस सेवाह्म शुरू की गई है। बस्तर में सड़क, पुल, मोबाइल नेटवर्क, उचित मूल्य दुकान, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल और आंगनबाड़ी जैसी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 नागरिकों की संतुष्टि और वास्तविक समाधान ही पैमाना

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 का मूल मंत्र होना चाहिए संवेदनशीलता, समयबद्धता और समाधान। अंतिम लक्ष्य यही है कि नागरिक को यह भरोसा हो कि उसने सरकार तक अपनी बात पहुंचाई है, तो उसकी बात सुनी भी जाएगी और नियमानुसार उसका समाधान भी होगा। शासकीय कार्यालय में आने वाले नागरिक के साथ सम्मान और संवेदनशीलता से व्यवहार हो। उसकी बात सुनी जाए और समयबद्ध जवाब दिया जाए। काम नियमानुसार संभव है तो अनावश्यक विलंब न हो। यदि काम संभव नहीं है तो नागरिक को स्पष्ट कारण बताया जाए। लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की स्थिति न्यूनतम होनी चाहिए। जनता से अच्छा व्यवहार भी अधिकारी-कर्मचारी के प्रदर्शन का महत्वपूर्ण पैमाना होना चाहिए।

26 वर्षों की यह युवा यात्रा इस बात का गवाह है कि छत्तीसगढ़ ने तमाम भौगोलिक और सामाजिक चुनौतियों को पार करते हुए प्रगति के नए आयाम रचे हैं। हालांकि, इस सफर में अभी किसानों की समृद्धि, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों के विस्तार और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं के शत-प्रतिशत लाभ को पहुंचाने की दिशा में निरंतर काम जारी है। ह्मविकसित छत्तीसगढ़ह्म संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा यह राज्य आने वाले समय में देश के सबसे विकसित और सशक्त राज्यों में अपनी एक अलग मिसाल पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

भिलाई में देश राग के मंच पर रायपुर की अरात्रिका मुखर्जी ने जीता अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस

देशभर के विभिन्न शहरों और राज्यों से आए कलाकारों ने कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम, कथक और मोहिनीअट्टम जैसी शास्त्रीय नृत्य शैलियों से भारतीय संस्कृति को मंच पर जीवंत कर दिया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-रायपुर

नृत्यधाम कला समिति द्वारा आयोजित 21वें ऑल इंडिया फेस्टिवल एंड कॉम्पिटिशन ऑफ आर्ट एंड कल्चर के अंतिम दिन भिलाई ने कला की एक शानदार शाम देखी।

1 नवंबर को अयप्पा मंदिर, सेक्टर-2, भिलाई के ऑडिटोरियम में आयोजित समापन समारोह में देशभर के विभिन्न शहरों और राज्यों से आए कलाकारों ने कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम, कथक और मोहिनीअट्टम जैसी शास्त्रीय नृत्य शैलियों से भारतीय संस्कृति को मंच पर जीवंत कर दिया। नौ दिवसीय इस कला महोत्सव में







रायपुर की सुश्री अरात्रिका मुखर्जी ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से अवॉर्ड ऑफ एक्सीलेंस का खिताब अपने नाम किया। निर्णायक और गुरुजनों में आदरणीय कौशिक साव एवं ऋषिकेश पोहनकर द्वारा उन्हें तृतीय स्थान प्रदान कर प्रशस्ति पत्र दिया गया।

संस्था की डायरेक्टर डॉ. राखी राय विगत कई वर्षों से भिलाई ही नहीं, बल्कि देश-विदेश में युवा कलाकारों को विराट मंच प्रदान कर प्रतिभाओं को तराशने का अनुकरणीय कार्य कर रही हैं। अरात्रिका ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरुजनों और माता-पिता के आशीर्वाद और निरंतर सानिध्य को दिया।

खास खबर

रामलीला मैदान में एक फ्रेम में दिखे मध्यप्रदेश के तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के सुपुत्र, अरुण वोरा, जयवर्धन सिंह और अजय सिंह की मुलाकात बनी चर्चा का विषय



नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

नई दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को आयोजित वोट बचाओ - देश बचाओ महारैली के दौरान एक खास तस्वीर सामने आई, जिसमें मध्यप्रदेश के तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के सुपुत्र एक साथ नजर आए। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के सुपुत्र जयवर्धन सिंह तथा पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय अर्जुन सिंह के सुपुत्र एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह (राहुल भैया) एक ही फ्रेम में दिखाई दिए। यह तस्वीर राजनीतिक और पारिवारिक विरासत के साथ कांग्रेस के इन वरिष्ठ नेताओं के बीच आपसी आत्मीयता और पुराने संबंधों की झलक भी प्रस्तुत करती है।

उल्लेखनीय है कि अरुण वोरा पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्रद्धेय मोतीलाल वोरा जी के सुपुत्र हैं। वहीं जयवर्धन सिंह, दिग्विजय सिंह तथा अजय सिंह, स्वर्गीय अर्जुन सिंह के सुपुत्र हैं। रामलीला मैदान में आयोजित इस महारैली के दौरान देशभर से आए कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति के बीच इन तीनों नेताओं का एक साथ नजर आना विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

भिलाई बना CISF स्टील सेक्टर का मुख्यालय, देशभर के स्टील प्लांट्स की सुरक्षा की कमान अब स्टील सिटी से





भिलाई। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) ने छत्तीसगढ़ के भिलाई को अपने स्टील सेक्टर का मुख्यालय (Steel Sector Headquarters) बनाया है। अब भिलाई से देशभर के विभिन्न इस्पात उद्योगों (Steel Plants) और उनसे जुड़े प्रमुख प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था की कमान और निगरानी की जाएगी। भिलाई पहले से ही देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र और SAIL-भिलाई इस्पात संयंत्र की वजह से 'स्टील सिटी' के रूप में प्रसिद्ध है। इस निर्णय से भिलाई का राष्ट्रीय सुरक्षा मानचित्र पर महत्व और बढ़ गया है।

हिमांशु देवांगन जेसीआई दुर्ग-भिलाई के अध्यक्ष निर्वाचित

विशिष्ट रचनात्मक कार्यों के जरिए जेसीआई दुर्ग-भिलाई को पूरे देश में अग्रणी बनाएंगे : हिमांशु देवांगन



नई दृष्टिबिंदु / भिलाई



व्यक्तित्व विकास, जन सेवा एवं सामाजिक उत्थान की अग्रणी अंतरराष्ट्रीय संस्था जेसीआई दुर्ग-भिलाई के अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से जेसी हिमांशु देवांगन निर्वाचित हुए। लेडी विंग चेयर पर्सन पर कल्पना देवांगन नियुक्त की गई।

क्रासरोड रेस्टोरेंट के सभागार में 01 नवंबर को जेसीआई दुर्ग-भिलाई का चुनाव संपन्न हुआ। सत्र 2027 के लिए टीम इन्फाइनाईट में जेसी हिमांशु देवांगन सर्व सम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित हुए। सचिव पद पर जेसी अंकित शाह, कोषाध्यक्ष पद पर जेसी जीएसएम वम्सी निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी जेसी आलोक अग्रवाल ने सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया पूरा होने के बाद विधिवत रूप से नई कमेटी की घोषणा की और सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान किया। नई कमेटी के उपाध्यक्ष पदों पर जेसी तोरण अटल, जेसी गौतम देशलहरा, जेसी गुंजा पिंचा, जेसी अतुल जैन, जेसी सुजय जसूजा, जेसी अंकित मित्तल, पीआरओ जेसी आशीष तैलंग, ग्रीटर जेसी अमित मेझराम सर्वसम्मति से नियुक्त किए गए। जेसी वीक डायरेक्टर पद पर विवेक संघवी नियुक्त किए गए। इस अवसर पर नई कमेटी में 30 डायरेक्टर्स भी नियुक्त किए गए।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष 2027 जेसी हिमांशु देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि जेसीआई की परंपरा के अनुसार सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को साथ लेकर ट्रेनिंग, बिजनेस एवं कम्युनिटी एवं अन्य सभी रचनात्मक कार्य करेंगे और जेसीआई दुर्ग भिलाई को पूरे देश में अग्रणी बनाएंगे। उन्होंने सभी पूर्व पदाधिकारियों एवं सदस्यों से सक्रिय सहयोग की अपील की। चुनाव कार्यक्रम के आरंभ में निवर्तमान अध्यक्ष जेसी संतोष कुमार ने स्वागत भाषण दिया और सभी सदस्यों का स्वागत किया। चुनाव अधिकारी जेसी आलोक अग्रवाल ने चुनाव प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद नई कमेटी के सभी पदों पर सर्वसम्मति से निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी की गई। निर्वाचन उपरांत उपस्थित सभी सदस्यों ने नए पदाधिकारियों का पुष्पाहार से स्वागत कर बधाईयां दी।

इस अवसर वरिष्ठ पूर्व अध्यक्षों में राजेश सांखला, प्रशांत गोलछा, रजनीश जायसवाल, योगेश राठी, आलोक अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। कमेटी के सभी सदस्य गणों ने उत्साह पूर्वक सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया। आभार प्रदर्शन संस्था के सचिव जेसी तोरण अटल ने किया।

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि, सिविक सेंटर में पुलिस बैंड की देशभक्तिमय प्रस्तुति



नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

यातायात पुलिस दुर्ग द्वारा पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शहीदों की शहादत को समर्पित विशेष कार्यक्रम का आयोजन सिविक सेंटर पार्क में किया गया।

31 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम में पुलिस बैंड की देशभक्तिमय प्रस्तुति ने नागरिकों में देशभक्ति और शहीदों के प्रति सम्मान की भावना का संचार किया। इस दौरान अर्जुन रथ पार्क से पुलिस बैंड द्वारा पैदल मार्च निकालकर मार्केट क्षेत्र का भ्रमण किया गया।

पैदल मार्च में युवाओं सहित बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई। समापन अवसर पर नागरिकों ने एक-एक कैंडल जलाकर देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीद जवानों को नमन किया।

यह आयोजन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देश पर "शहीदों की शहादत के नाम" कार्यक्रम के तहत किया गया, जिसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय गौरव और पुलिस के प्रति सम्मान की भावना मजबूत करना है।

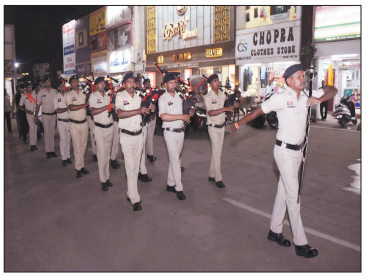

सारंगढ़ राज्योत्सव में सारंगढ़ नगर के प्राजंल विशेष विद्यालय के दिव्यांगजन बच्चे देंगे मनमोहक सांस्कृतिक कार्यकम की प्रस्तुति

"सारंगढ़ डिप्टी कलेक्टर विशेष विद्यालय पहुंचकर आमंत्रित किए", सारंगढ़ खेलभांठा मैदान में 2 नवंबर आज को होगा जिला स्तरीय छत्तीसगढ़ राज्योत्सव

नई दृष्टिबिंदु / सारंगढ़

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 के अवसर पर सारंगढ़ के खेलभांठा मैदान में 2 नवंबर को जिला स्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा। शाम 4 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू ने जिले के जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों और नागरिकों को समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है।

समारोह के मुख्य अतिथि रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद राधेश्याम राठिया होंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिले के प्रभारी मंत्री तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, पुनर्वास और उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा और वित्त, वाणिज्यिक कर (आबकारी को छोड़कर), आवास एवं पर्यावरण, योजना तथा आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चौधरी शामिल होंगे।



जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, सारंगढ़ विधायक श्रीमती उत्तरी गनपत जांगड़े और बिलाईगढ़ विधायक श्रीमती कविता प्राण लहरे भी समारोह में उपस्थित रहेंगी। जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पाण्डेय और सारंगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सोनी अजय बंजारे सहित जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्य, सरपंच, नगर पंचायत अध्यक्ष और पार्षदों को भी आमंत्रित किया गया है। समारोह में छत्तीसगढ़ की कला और सांस्कृतिक परंपराओं पर आधारित प्रस्तुतियां होंगी। जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से राज्योत्सव समारोह में सहभागी बनने की अपील की है।

रिटेंशन लाइसेंसधारकों की समस्या का निराकरण कर सांसद विजय बघेल और प्रेम प्रकाश पांडेय ने 4 हजार परिवारों को दी बड़ी राहत

भिलाई स्टील सिटी चेंबर ऑफ कॉमर्स ने दोनों नेताओं के प्रयासों की सराहना कर जताया आभार

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

रिटेंशन लाइसेंसधारकों की लंबे समय से चली आ रही गंभीर समस्या के निराकरण में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय के सार्थक प्रयासों की भिलाई स्टील सिटी चेंबर ऑफ कॉमर्स ने सराहना की है। चेंबर की ओर से कहा गया कि दोनों नेताओं ने इस समस्या को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाकर उसके समाधान की दिशा में प्रभावी पहल की, जिससे भिलाई के लगभग 4 हजार परिवारों को बड़ी राहत मिली है।



चेंबर ने कहा कि रिटेंशन लाइसेंस का मामला लंबे समय से गंभीर रूप धारण कर चुका था। यह समस्या कैंसर की तरह फैलती जा रही थी और इसके चलते हजारों परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया था। बीएसपी प्रबंधन के अड़ियल रवैये के कारण रिटेंशन लाइसेंसधारक लगातार परेशान थे। अपनी समस्या के समाधान की मांग को लेकर प्रभावित परिवारों और लाइसेंसधारकों को हर सप्ताह बैठकें कर संघर्ष करना पड़ रहा था तथा समाधान का रास्ता तलाशना पड़ रहा था।

चेंबर के प्रतिनिधियों ने कहा कि सभी को विश्वास था कि सच्चाई की राह में भले ही देर हो सकती है, लेकिन अंततः समस्याओं का समाधान जरूर होता है। शुरूआत से ही सांसद विजय बघेल और प्रेम प्रकाश पांडेय की जोड़ी पर भरोसा था। दोनों नेताओं ने इस भरोसे को एक बार फिर अटूट साबित किया है। उनके प्रयासों से हजारों परिवारों को राहत मिलना एक बड़ी उपलब्धि है।

भिलाई स्टील सिटी चेंबर ऑफ कॉमर्स ने दोनों संघर्षशील नेताओं को इस जनहितकारी पहल के लिए बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही इस पूरे संघर्ष में निरंतर जुटे रहे सेवानिवृत्त कर्मचारियों और रिटेंशन लाइसेंसधारकों के धैर्य, एकजुटता और संघर्ष के प्रति आभार व्यक्त किया है।

इंदौर में कल से 3 दिन संघ की कार्यकारी मंडल बैठक, 408 पदाधिकारी होंगे शामिल

नई दृष्टिबिंदु / इंदौर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक 2 से 4 नवंबर तक इंदौर के डेली कॉलेज में होगी। संघ की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण मानी जाने वाली इस बैठक में संगठनात्मक ढांचे में बदलाव पर मुहर लग सकती है। नई रचना मार्च 2027 से लागू होने की संभावना है। शनिवार को आयोजित पत्रकारवार्ता में अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक में देशभर से 408 कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल होंगे। इनमें सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सभी सहसरकार्यवाह और कार्य विभागों के प्रमुख शामिल हैं। इसके अलावा 11 क्षेत्रों और 46 प्रांतों के संघचालक, कार्यवाह, प्रचारक और सह प्रचारक भी मौजूद रहेंगे।

बैठक में विजयादशमी 2025 से इस दशहरा तक शताब्दी वर्ष में हुए कार्यक्रमों की समीक्षा होगी। संघ कार्य के विस्तार और नशे के खिलाफ अभियान पर भी विचार होगा। आंबेकर ने बताया कि पिछले एक साल में 13 हजार से अधिक नई दैनिक शाखाएं शुरू हुई हैं। देशभर में दैनिक शाखाओं की संख्या 1 लाख 10 हजार 849 और साप्ताहिक मिलन 65 हजार 660 तक पहुंच गई है। हिंदू सम्मेलनों, गृह संपर्क और प्रमुख जन गोष्ठियों में महिलाओं की सहभागिता बढ़ी है। शताब्दी वर्ष में सामाजिक समरसता, पर्यावरण के अनुरूप जीवनशैली, कुटुंब प्रबोधन, स्व का बोध और नागरिक कर्तव्य इन पांच विषयों को समाज तक पहुंचाया गया है। इन पर नए अभियान चलाने की योजना बनेगी।

बेमतलब की फिल्में नहीं करनी, तो ऐक्टिंग छोड़ दी



'फुकरे' फिल्म की एक्ट्रेस विशाखा सिंह ने हाल ही में अपनी वेब सीरीज 'रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब' को लेकर बात की है। उन्होंने कहा, 'माइनस 6 डिग्री में श्रीनगर में लड़के कांप रहे थे, पर पूरा स्टेडियम भरा हुआ था। लोग रियल कश्मीर के लिए गाने गा रहे हैं।'

पर्दे पर कश्मीर के अक्सर दो ही पहलू देखने को मिलते हैं। एक धरती के जन्नत की खूबसूरती तो दूसरा आतंकवाद, मगर वेब सीरीज 'रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब' इससे इतर वादी के युवाओं की अपनी नई पहचान और सम्मान तलाशने की एक प्रेरक दास्तान है। यही वजह है कि कश्मीर के पहले प्रफेशनल 'फुटबॉल क्लब' बनने की असल कहानी पर आधारित इस सीरीज को अंतरराष्ट्रीय एमी अवॉर्ड्स 2027 में बेस्ट झामा कैटेगरी में नामित किया गया है। हालांकि, 'फुकरे' फेम चर्चित अदाकारा और इस शो की निर्माता विशाखा सिंह के लिए इसे बनाना आसान नहीं था। हर कदम पर चुनौतियां थीं, लेकिन वह कहती हैं कि उन्हें कश्मीर का उम्मीद भरा नया चेहरा दिखाती यह कहानी हर हाल में दर्शकों तक पहुंचानी' थी। फिर, जब ठान लिया तो कारवां बनता गया।

कश्मीर का ये चेहरा नया था

बकौल विशाखा, 'ये कहानी मेरे दोस्त और शो के राइटर उमंग व्यास और सिमाब हाशमी ने 2019 में सुनाई थी कि कश्मीर का सिर्फ 3 साल पहले बना ये फुटबॉल क्लब बड़े-बड़े क्लब को हरा रहा है। मुझे लगा कि ये कहानी तो सुनानी चाहिए। तब फरवरी के माइनस 6 डिग्री में ये लोग वहां रिसर्च के लिए गए। वहां से मैच का विडियो भेजा, जहां माइनस 6 डिग्री में श्रीनगर में लड़के कांप रहे थे, पर पूरा स्टेडियम भरा हुआ था। लोग रियल कश्मीर के लिए गाने गा रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह माहौल मेरे लिए इतना नया था कि लोग पेड़ पर चढ़कर मैच देख रहे हैं, क्योंकि कश्मीर सुनकर हमारे दिमाग में वही तनाव, जंग आता है। मेरे मन में ये था कि इसके राइट्स तो चाहिए और हमने क्लब के फाउंडर, जिसमें पत्रकार शमीर मेराज और व्यवसायी स्वर्गीय संदीप चड्ढ से राइट्स लिए। फिर, मेरे दोस्त किलियन केरविन, जिन्होंने देल्ही क्राइम बनाई है, वे जुड़े। डायरेक्टर महेश मथाई जुड़े तो मुझे लगा कि हम सही राह पर हैं।'

बॉलिवुड में आशुतोष गोवारिकर की खेले हम जी जान से और फरहान अख्तर की फुकरे समेत साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री रहीं विशाखा सिंह इन दिनों पर्दे पर कम नजर आ रही हैं। इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैंने करीब दस साल पहले ऐक्टिंग करना बंद कर दिया। असल में, 2012 से 2014 के दौर में मैंने नॉर्थ और साउथ मिलाकर 13-14 फिल्में कीं। मुझे तब समझ आया कि हां, मैं ऐक्टिंग कर सकती हूं, लेकिन उसके बाद मुझे जो स्क्रिप्ट मिल रही थीं, उससे मैं खुश नहीं थी और मैं बुरी फिल्मों के लिए याद की जाना नहीं चाहूंगी। मैं बेमतलब की, बिना सिर पैर की फिल्में नहीं कर सकती तो 2015 में मैंने खुद ऐक्टिंग करना बंद कर दिया।'

क्यों की 'फुकरे 2'

'फुकरे 2 इसलिए की, क्योंकि उसमें ज्यादा वक्त नहीं देना पड़ा। वरना मैं भूल चुकी हूं कि मैं ऐक्टर भी थी। सच कहूं तो ऐक्टिंग छोड़ने के बाद मैंने बहुत कुछ एक्सप्लोर किया। फिल्म बना ली, सीरीज बना ली, स्टार्ट अप शुरू किया तो मेरे लिए और बड़ी दुनिया खुल गई मेरे लिए।' बतौर निर्माता, पेडलर्स, हरामखोर, अटकन चटकन और रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब जैसा मीनिंगफुल कॉन्टेंट ही बनाने वाली विशाखा का कहना है, 'हर कलाकार, हर इंसान का एक झुकाव होता है कि उसे कैसा काम करना है। मेरा बचपन से रुझान रहा है कि अच्छा करो। खासकर जब आपके पास वो अच्छा करने की पावर हो। मुझे नहीं लगता कि मैं बिना मीनिंग के कोई फिल्म बना सकती हूं। ऐसा नहीं है कि मैं हमेशा सोशल मुद्दे वाली फिल्म ही बनाऊंगी, मगर वो ऐसी हो जो मैं, मेरा परिवार, मेरे माता-पिता सब देख सकें, वो हमेशा रहेगा।'

फिल्म 'ओम' में साई पल्लवी के किरदार का खुलासा



निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म 'ओम' सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में तमिल स्टार धनुष और मलयालम सुपरस्टार ममूटी लीड रोल में नजर आएंगे। इसी बीच मेकर्स ने फैंस का इंतजार खत्म करते हुए अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार का खुलासा कर दिया है। हालांकि एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक सोमवार शाम को रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने पहले ही बता दिया है कि वह फिल्म में एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगी। बॉलीवुड स्टार नसीरुद्दीन शाह भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टाइटल के साथ 'चैप्टर 1' की टैगलाइन है, जिससे संकेत मिलता है कि इसका सीक्वल भी आ सकता है। कुछ समय पहले मेकर्स द्वारा रिलीज किए गए टाइटल टीजर से पता चला था कि कहानी लाल चंदन काटकर जीवन यापन करने वालों के इर्द-गिर्द घूमती है। धनुष खुद फिल्म में एक लकड़हारे की भूमिका में हैं। टीजर में दिखाया गया था कि पुलिसकर्मी अवैध रूप से लाल चंदन काट रहे लकड़हारों को पकड़ रहे हैं। जैसे ही वे बंदूक की नोक पर मजदूरों को बंधक बनाते हैं, धनुष उन्हें बचाने के लिए आता हुआ दिखाई देता है। फिल्म इस साल 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बता दें कि मेकर्स ने पहले फिल्म को 16 अक्टूबर को रिलीज करने का प्लान बनाया था। हालांकि, एक्टर धनुष ने एक बयान में फिल्म की रिलीज टालने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने सुपरस्टार रजनीकांत के सम्मान में फिल्म की रिलीज को टालने का फैसला किया है, रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' 15 अक्टूबर को रिलीज हुई है धनुष ने यह भी साफ किया है कि उनकी फिल्म दिवाली पर भी रिलीज नहीं होगी क्योंकि उसी डेट पर सूर्या की फिल्म पहले से अनाउंस हो चुकी है। इसके बाद एक्टर और प्रोड्यूसर ने फिल्म की नई रिलीज डेट 20 नवंबर घोषित की। फिल्म को लेकर फैंस और सिनेमा लवर्स में जबरदस्त उत्साह है क्योंकि यह पहली बार है जब धनुष और ममूटी किसी प्रोजेक्ट में साथ काम कर रहे हैं।

क्या नए जोनर में कदम रखने जा रहे हैं आर्यन खान

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' काफी चर्चा में रहा। अब आर्यन अपनी अगली सीरीज के लिए उभरते लेखकों की एक टीम तैयार कर रहे हैं। कैमरे के पीछे अपना सफर शुरू करने के बाद, अब वह कहानी कहने की नई प्रतिभाओं की तलाश कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आर्यन खान सिर्फ निर्देशन और इसके क्रिएटिव विजन पर ध्यान देने के बजाय, अपकमिंग प्रोजेक्ट की लेखन प्रक्रिया में भी शामिल होना चाहते हैं।

आर्यन ने बनाई लेखकों की टीम

वैरायटी के मुताबिक आर्यन खान नए लेखकों को तलाश कर रहे हैं। इस पहल का मकसद ऐसे लेखकों को एक साथ लाना है, जिनके विचारों को भविष्य के स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट्स में बदला जा सके। कहा जा रहा है कि वह ऐसी कहानियों में दिलचस्पी रखते हैं जो आज के दौर का नजरिया पेश करें और युवा दर्शकों से जुड़ सकें।

प्रोजेक्ट पर हो रहा काम

यह कदम उनके पहले बड़े प्रोजेक्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने शो-रनर, लेखक और निर्देशक के तौर पर काम किया था। हालांकि नई सीरीज के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, मगर नए लेखकों की तलाश से पता चलता है कि अभी इस प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। कास्ट, कहानी या प्रोडक्शन शेड्यूल के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

आर्यन खान का सफर

निर्देशन में कदम रखने से पहले आर्यन खान ने 2019 में 'द लायन किंग' के हिंदी वर्जन में सिम्बा को अपनी आवाज दी थी। इसी वर्जन में शाहरुख खान ने मुफासा के लिए अपनी आवाज दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख खान को कुछ डायलॉग्स फिर से रिकॉर्ड करने पड़े थे, क्योंकि विशेषज्ञों ने गौर किया कि उनकी आवाज उनके बेटे की आवाज से बहुत ज्यादा मिलती-जुलती लग रही थी। 2024 में 'मुफासा: द लायन किंग' में आर्यन खान ने सिम्बा के रूप में वापसी की। शाहरुख खान ने एक बार फिर मुफासा को अपनी आवाज दी, जबकि अबराम खान भी हिंदी वॉयस कास्ट का हिस्सा बने। 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' से उन्होंने निर्देशन की दुनिया में कदम रखा।

'बॉर्डर 2' के बाद अहान शेट्टी को मिली रोमांटिक-एक्शन फिल्म

सुनील शेट्टी के बेटे और अभिनेता अहान शेट्टी फिल्म 'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद एक बार फिर एक्शन के मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। अभिनेता अपनी अगली फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'रुस्तम' फेम मशहूर निर्देशक टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं। ज्ञानेंद्र वासुदेव की तरफ से लिखी गई 'सनकी' मूल रूप से एक प्रेम कहानी है। इसमें दमदार और जबरदस्त एक्शन भी देखने को मिलेगा। फिल्म की शूटिंग 30 अक्तूबर से भोपाल में शुरू होगी।

सोच समझकर चुनी फिल्म

'बॉर्डर 2' में अपने अभिनय और फिल्म को मिली शानदार सफलता के बाद अहान ने अपने अगले प्रोजेक्ट्स का चयन काफी सोच-समझकर किया है। अब वह 'सनकी' में एक नया किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इसके बाद वह विक्रम भट्ट की फिल्म '1920 कोल्ड विंटर' में नजर आएंगे। इसके अलावा उनकी कुछ अन्य फिल्मों की शूटिंग भी 2027 में शुरू होने वाली है। निर्देशक टीनू सुरेश देसाई अपनी विशाल टीम के साथ पहले ही भोपाल पहुंच चुके हैं। वह 30 अक्तूबर से शुरू होने वाली शूटिंग से पहले तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। फिलहाल फिल्म की कहानी और इसके विषय को गोपनीय रखा गया है।

तीन हफ्ते बाद काम पर लौटेंगे टाइगर श्रॉफ

अगली फिल्म की शूटिंग अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर जब से हमला हुआ है, तब से वह चर्चा में हैं। अब उनके काम से जुड़ी एक अपडेट आई है। उम्मीद जताई जा रही है कि अभिनेता अगले महीने, दिवाली के बाद अपकमिंग फिल्म 'लग जा गले' के सेट पर लौट सकते हैं। मुंबई के जुहू में हुई गोलीबारी की घटना के बाद, उनकी टीम ने कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया है।

क्या हैं सुरक्षा के इंतजाम

टाइगर श्रॉफ की सुरक्षा टीम और प्रोडक्शन टीम ने मिलकर एक योजना बनाई है, ताकि उनका शूटिंग शेड्यूल गुप्त रहे। उनके आने-जाने की जानकारी केवल कुछ चुनिंदा लोगों के साथ ही साझा की जाएगी। इसके अलावा, सेट पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रोडक्शन टीम ज्यादा सावधानी बरत रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 18 अक्तूबर की घटना के बाद से टाइगर ने शूटिंग शुरू नहीं की है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि वह करण जौहर की फिल्म 'लग जा गले' के सेट पर लौट आए हैं, हालांकि ऐसा नहीं है। फिलहाल, अभिनेता अपने परिवार के साथ घर पर हैं और उम्मीद है कि त्योहारों के बाद अगले महीने वह फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू करेंगे। उनके पास कुछ और काम भी हैं, जो अपनी तय समय सीमा के हिसाब से आगे बढ़ रहे हैं।

आलिया-दीपिका को लेकर बोलीं राधिका





राधिका आप्टे इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'अवका' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने बॉलीवुड में महिलाओं की स्थिति के बारे में बात की है। अभिनेत्री का कहना है कि हिंदी सिनेमा में महिला कलाकारों को अक्सर ऐसी फिल्मों में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिनमें पुरुष मुख्य भूमिका में होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि महिला-प्रधान फिल्मों के लिए एक अच्छी थिएट्रिकल रिलीज पाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने आगे कहा कि कोई महिला-प्रधान फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तभी अच्छी शुरुआत कर सकती है, जब उसमें आलिया भट्ट या दीपिका पादुकोण जैसी बड़ी स्टार्स मुख्य भूमिका में हों। राधिका किस आधार पर चुनती हैं फिल्में?

राधिका आप्टे की हालिया फिल्में 'लस्ट स्टोरीज 3', 'साली मोहब्बत', 'मिसेज अंडरकवर' और 'मोनिका-ओ माय डार्लिंग' सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई थीं। हालांकि राधिका का कहना है कि उन्होंने फिल्मों का चुनाव इस आधार पर नहीं किया कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होंगी या ओटीटी पर। बातचीत में उन्होंने कहा, 'मैं इस आधार पर कोई प्रोजेक्ट नहीं चुनती कि वह सिनेमाघरों में रिलीज होगा या ओटीटी पर। मुझे इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। मैं बस यही चाहती हूं कि फिल्म किसी न किसी तरह दर्शकों तक पहुंच जाए।'



मतदाता लिस्ट में गड़बड़ियों को चुनाव आयोग ने सही, माना और विधायक रिकेश सेन इसे झूठला रहे : मुकेश चंद्राकर

ऐसा लगता है चुनाव आयोग ने विधायक को अपना प्रवक्ता नियुक्त कर दिया है, चुनावी फायदे के लिए भाजपा ने ही कराई गड़बड़ियां

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर का कहना है कि भिलाई नगर निगम की मतदाता सूची में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम एक वार्ड से दूसरे वार्ड में स्थानांतरित होने की गंभीर शिकायतें मिली हैं। और इन शिकायतों की पुष्टि भी हो चुकी है जिसके कारण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसके विपरीत वैशाली नगर विधानसभा के विधायक रिकेश सेन इन आरोपों को झुठला रहे हैं। ऐसा लगता है निर्वाचन आयोग ने उन्हें अपना प्रवक्ता नियुक्त कर दिया है।

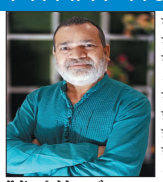

श्री चंद्राकर ने बताया कि भिलाई नगर निगम के कुल 70 वार्डों में से 42 वार्डों के 11,339 मतदाताओं के नाम उनके निर्धारित वार्ड के बजाय दूसरे वार्डों में दर्ज होने की भारी त्रुटि सामने आई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आरोप लगाया था है कि बिना किसी आधिकारिक परिसीमन के हजारों मतदाताओं के नाम जानबूझकर इधर से उधर किए गए हैं। उन्होंने इसे 'वोट चोरी' का प्रयास बताते हुए निर्वाचन कार्यालय में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराने और जरूरत पड़ने पर कोर्ट जाने की बात कही थी। महापौर नीरज पाल, विधायक देवेंद्र यादव सहित उन्होंने भी पूरे सबूत के साथ जिला प्रशासन के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। महापौर के वार्ड तक में गड़बड़ियां सामने आई हैं ।वहां लगभग ढाई सौ की संख्या में मतदाता दूसरे वार्ड में स्थानांतरित हो गए हैं।

श्री चंद्राकर का कहना था कि जांच के बाद यह शिकायतें सही पाई गई जिसके कारण कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने इस गंभीर लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों सहित 7 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर 3 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। इसके विपरीत भाजपा के विधायक रिकेश सेन इन त्रुटियों को पूरी तरह झुठला रहे हैं। ऐसा लगता है चुनाव आयोग में उन्हें अपना प्रवक्ता नियुक्त कर दिया है जिसके कारण वह चुनाव आयोग को बचाने में लगे हुए हैं। इस तरह की गड़बड़ियों से भाजपा को कोई फर्क नहीं पड़ेगा तभी वे इन त्रुटियों को नजर अंदाज कर रहे हैं। इससे साफ जाहिर है की इन गड़बड़ियों में जरूर कहीं ना कहीं भाजपा का हाथ है।

श्री चंद्राकर का कहना था कि इन व्यापक शिकायतों और त्रुटियों के बाद निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची में सुधार के लिए दावा- आपत्ति दर्ज करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 3 नवंबर 2026 कर दिया है। इससे भी स्पष्ट है कि गड़बड़ियां हुई है जिसे जिला प्रशासन ने गंभीरता से लिया है।

खास खबर

कलेक्टर ने प्रयास आवासीय विद्यालय के संचालन एवं शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा की



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्रयास आवासीय विद्यालय के संचालन एवं शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा बैठक ली। कलेक्टर ने विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने तथा नीट एवं जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रयास आवासीय विद्यालय में कक्षा 9वीं के विद्यार्थियों के अध्यापन एवं कोचिंग कार्य की समीक्षा की।

उन्होंने विद्यार्थियों की नीट एवं जेईई की तैयारी के लिए प्रारंभिक स्तर से ही शैक्षणिक आधार मजबूत करने कहा, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकें। कलेक्टर ने शिक्षकों को पूरी जिम्मेदारी एवं निष्ठा के साथ अध्यापन कार्य करते हुए विद्यार्थियों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों की संख्या के अनुरूप एजुकेशन हब में संचालित विद्यालय की कक्षाओं का विभाजन करने तथा आवश्यक स्टाफ रूम की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा। बैठक में डिप्टी कलेक्टर श्रीकांत कोरम, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास, प्रयास आवासीय विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जिला स्तरीय राज्योत्सव में सजेगी छत्तीसगढ़ी लोकगीतों की सुरमयी महफिल



राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर 2 नवंबर को जिला मुख्यालय राजनांदगांव के पद्मश्री गोविंद राम निर्मलकर ऑडिटोरियम में जिला स्तरीय राज्योत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, कला एवं परंपराओं को समर्पित इस गरिमामय समारोह में लोकप्रिय लोकगायक निलेश जोगी अपनी सुमधुर गायन प्रस्तुति से समां बांधेंगे।

लोकगायक निलेश जोगी की प्रस्तुति होगी मुख्य आकर्षण : आयोजन में छत्तीसगढ़ी माटी की महक से सराबोर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहेंगी। लोकगायक निलेश जोगी पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोकगीतों, भक्तिमय जसगीतों और कालजयी पुराने लोक संगीत की प्रस्तुति देंगे। उनके गीतों के माध्यम से दर्शकों को छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत एवं ग्रामीण जीवन की सजीव झलक देखने और सुनने को मिलेगी। यह प्रस्तुति संगीत प्रेमियों को अपनी माटी और संस्कृति से गहरे से जोड़ने का अवसर प्रदान करेगी।

सांस्कृतिक रंग, प्रदर्शनी और व्यंजनों का संगम : राज्योत्सव के मंच पर स्कूली बच्चों द्वारा भी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इसके अलावा आयोजन स्थल पर विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों पर आधारित आकर्षक विकास प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

दर्शकों के स्वाद और मनोरंजन के लिए पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के स्टॉल और फूड कोर्ट भी विशेष रूप से सजाए जा रहे हैं। राज्योत्सव के माध्यम से छत्तीसगढ़ की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और लोककला को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसकी शाम लोकगायक निलेश जोगी के सुरों से सराबोर होगी।

सरदार पटेल की दूरदृष्टि : आधुनिक भारत के निर्माण की मजबूत नींव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



सरदार वल्लभभाई पटेल के दृढ़ संकल्प और राजनीतिक कौशल ने ही उस भारत का मार्ग प्रशस्त किया, जिसे आज हम एक संपूर्ण और संप्रभु राष्ट्र के रूप में देखते हैं। उनकी विलक्षण दूरदर्शिता ने देश को एक सूत्र में पिरोने का जो ऐतिहासिक कार्य किया, वह आज भी हर भारतीय के लिए देशसेवा की सबसे बड़ी प्रेरणा बना हुआ है।

भारत की स्वतंत्रता केवल विदेशी शासन से मुक्ति का प्रतीक नहीं थी, बल्कि एक सशक्त, एकीकृत और लोकतांत्रिक राष्ट्र के निर्माण की ऐतिहासिक शुरूआत भी थी। वर्ष 1947 में देश को स्वतंत्रता मिलने के समय भारतीय उपमहाद्वीप राजनीतिक रूप से अनेक हिस्सों में विभाजित था। ब्रिटिश भारत के अतिरिक्त 560 से अधिक देशी रियासतें थी, जिनके अपने शासक, प्रशासनिक व्यवस्थाएं और राजनीतिक आकांक्षाएं थी। ऐसी परिस्थितियों में इन सभी रियासतों को एक राष्ट्र के रूप में संगठित करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस ऐतिहासिक दायित्व को देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, राजनीतिक सूझबूझ और कुशल नेतृत्व से पूरा किया। उनके अथक प्रयासों ने आधुनिक भारत की एकता और अखंडता को मजबूत आधार प्रदान किया।

भारत की एकता के पीछे लौह इच्छाशक्ति

स्वतंत्रता प्राप्ति के समय देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजनीतिक एकीकरण की थी। विभिन्न रियासतों को भारतीय संघ में सम्मिलित कर एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण करना आसान नहीं था। ऐसे निर्णायक समय में सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार के रूप में उभरे। उन्होंने दृढ़ संकल्प, व्यावहारिक दृष्टिकोण और कूटनीतिक कौशल के माध्यम से देश को एकता के सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया। इतिहासकार राजमोहन गांधी ने भी पटेल के राजनीतिक यथार्थवाद और राष्ट्रीय एकता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण माना है। पटेल का विश्वास था कि देश की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, संगठन और सामूहिक संकल्प में निहित है।

रियासतों के एकीकरण का ऐतिहासिक मिशन

सरदार पटेल ने अपने सहयोगी एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी वी.पी. मेनन के साथ मिलकर देशी रियासतों के भारतीय संघ में विलय की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। उन्होंने रियासतों के शासकों से संवाद स्थापित कर उन्हें राष्ट्रीय एकता के महत्व से अवगत कराया। इस प्रक्रिया में विलय पत्र अर्थात एग्रीमेंट ऑफ एक्सेशन एक महत्वपूर्ण कानूनी माध्यम बना। सरदार पटेल ने राजनीतिक समझदारी, संवाद और दृढ़ निर्णय क्षमता का परिचय देते हुए अधिकांश रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण सुनिश्चित किया। हैदराबाद, जूनागढ़ और जम्मू-कश्मीर जैसे जटिल मामलों में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्ष 1949 तक अधिकांश देशी रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण हो चुका था। यह उपलब्धि केवल भौगोलिक सीमाओं का विस्तार नहीं, बल्कि एक सशक्त और अखंड राष्ट्र के निर्माण की ऐतिहासिक नींव थी।

राजनीतिक एकीकरण से सशक्त राष्ट्र निर्माण तक

सरदार पटेल का योगदान केवल देशी रियासतों के एकीकरण तक सीमित नहीं रहा। स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री के रूप में उन्होंने देश की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) जैसी अखिल भारतीय सेवाओं को सुदृढ़ आधार प्रदान करने में उनकी दूरदर्शिता निर्णायक रही। उनका मानना था कि एक सक्षम, निष्पक्ष और अनुशासित प्रशासन ही देश की एकता और अखंडता को स्थायी मजबूती प्रदान कर सकता है। उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं को राष्ट्र की एकता बनाए रखने वाला इस्पाती ढांचा माना। उनकी इसी दूरदृष्टि के कारण आज भी अखिल भारतीय सेवाएं देश की प्रशासनिक एकरूपता, सुशासन और राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

राष्ट्रीय एकता दिवस का शाश्वत संदेश

राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय एकीकरण में सरदार वल्लभभाई पटेल के अतुलनीय योगदान के सम्मान में भारत सरकार द्वारा वर्ष 2014 से प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर देशभर में एकता दौड़, सामूहिक शपथ ग्रहण, एकता परेड और विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना है। उनकी विरासत आज भी देशवासियों को एकजुट होकर राष्ट्र के विकास में योगदान देने की प्रेरणा देती है। विविध भाषाओं, संस्कृतियों, परंपराओं और सामाजिक मान्यताओं वाले भारत में राष्ट्रीय एकता का उनका संदेश वर्तमान समय में भी उतना ही प्रासंगिक है।

एकता और अखंडता की अमर विरासत

सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन इस बात का प्रेरक उदाहरण है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शी नेतृत्व और सामूहिक प्रयासों से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं। स्वतंत्रता के लगभग आठ दशकों बाद भी भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने में उनके विचार मार्गदर्शक बने हुए हैं। देश की भाषाई, सांस्कृतिक और क्षेत्रीय विविधताएं उसकी विशिष्ट पहचान हैं। इन विविधताओं के बीच आपसी विश्वास, सद्भाव और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। सरदार पटेल का प्रसिद्ध संदेश है कि एकता के बिना जनशक्ति, शक्ति नहीं है, जब तक उसे उचित ढंग से संगठित और एकजुट नहीं किया जाए।

पुश्तैनी मकान के विवाद से बेघर होने की नौबत, न्याय की गुहार लेकर प्रशासन के पास पहुंचा पीड़ित परिवार



नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

पुश्तैनी मकान के निर्माण और पारिवारिक विवाद को लेकर परेशान एक पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है। परिवार के आवेदक गोविंद कुमार ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन सौंपकर अपने पुश्तैनी मकान के निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करने और परिवार को संकट से उबारने की मांग की है।

आवेदन में उल्लेख किया गया है कि परिवार के पुश्तैनी मकान और उससे जुड़े अधिकारों को लेकर लंबे समय से विवाद की स्थिति बनी हुई है। इस विवाद के चलते परिवार को अपने पुराने मकान का जीर्णोद्धार और आवश्यक निर्माण कार्य कराने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आवेदक गोविंद कुमार के अनुसार, पूर्व में पारित आदेशों और उपलब्ध पुख्ता दस्तावेजों के बावजूद समस्या का संतोषजनक निराकरण नहीं हो पाया है, जिसके कारण परिवार के सदस्यों को लगातार मानसिक और सामाजिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। परिवार का कहना है कि यह मामला सभी सदस्यों के आवास और जीवनयापन के मौलिक अधिकार से जुड़ा हुआ है, ऐसे में इस गंभीर विषय की अनदेखी उनके हितों के साथ सीधा अन्याय होगी।

पीड़ित परिवार ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागीय अधिकारियों से मांग की है कि प्रस्तुत आवेदन और दस्तावेजों के आधार पर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए। पुश्तैनी मकान से संबंधित विवाद का नियमानुसार स्थायी निराकरण किया जाए। मकान निर्माण में आ रही अड़चनों को दूर कर परिवार को राहत प्रदान की जाए। अब पीड़ित परिवार को जिला प्रशासन से पूरी उम्मीद है कि उन्हें जल्द से जल्द न्याय मिलेगा और उनके सिर पर मंडरा रहा बेघर होने का खतरा टलेगा। पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिला पदाधिकारियों ने भी अपनी मुखर आवाज बुलंद की है।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन संगठन के जिला अध्यक्ष मुकेश शेंडे, उपाध्यक्ष रविन्द्र सिन्हा, जिला सचिव विक्की साखरे और जिला संगठन मंत्री इमानवेल सिंह ने संयुक्त रूप से प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द न्याय दिलाया जाए, ताकि उन्हें और अधिक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

उप संचालक देवेन्द्र कुमार चौबे हुए सेवानिवृत्त, दी विदाई

दुर्ग। संभागीय संयुक्त संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन दुर्ग में पदस्थ उप संचालक देवेन्द्र कुमार चौबे के अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त होने पर भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। श्री चौबे ने अपने 42 वर्ष 9 माह के शासकीय सेवाकाल में विभिन्न विभागों में सेवाएं देते हुए अपनी कार्यकुशलता, कर्तव्यनिष्ठा और अनुभव से अलग पहचान बनाई। संभागीय संयुक्त संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन कार्यालय में विगत पांच वर्षों से पदस्थ रहते हुए उन्होंने संभाग के विभिन्न कार्यालयों के पेंशन प्रकरणों तथा जटिल वेतन निर्धारण संबंधी मामलों का त्वरित निराकरण किया। उनके सम्मान में आयोजित विदाई समारोह में संभागीय कार्यालय, जिला कोषालय, कोषालय कर्मचारी संघ, बीईओ कार्यालय दुर्ग, एसपी कार्यालय, सीएमएओ कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी सहित उनके परिवारजन और मित्र उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर पुलिस लाइन और थाना-चौकियों में देखा गया परेड का लाइव प्रसारण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में गुजरात के एकता नगर (केवड़िया) से प्रसारित एकता दिवस परेड को राजनांदगांव जिला पुलिस द्वारा गरिमामय ढंग से देखा गया। पुलिस लाइन सहित जिले के सभी थानों और चौकियों में परेड के सीधे प्रसारण (लाइव टेलीकास्ट) की विशेष व्यवस्था की गई थी।

आईजी और एसपी की मौजूदगी में देखा गया प्रसारण

पुलिस लाइन राजनांदगांव में आयोजित मुख्य लाइव प्रसारण कार्यक्रम में पुलिस महानिरीक्षक (राजनांदगांव रेंज) अजय यादव, पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर व श्रीमती मंजुलता बाज, नगर पुलिस अधीक्षक आदित्य कुमार, उप पुलिस अधीक्षक सुश्री सुमन जायसवाल, एम्ब्रोस कुजूर, के.पी. मरकाम, सत्यप्रकाश तिवारी तथा रक्षित निरीक्षक लोकेश कसेर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त, एसपी कार्यालय में डीएसपी के.पी. मरकाम व स्टाफ ने, तथा अनुविभाग डोंगरगढ़ में एसडीओपी केशरीनंदन नायक और उनके अधीनस्थ स्टाफ ने लाइव प्रसारण में सहभागिता की। जिले की सभी थाना व चौकी प्रभारियों एवं जवानों ने भी अपने-अपने परिसरों में एक साथ प्रसारण देखा।

नक्सल मुक्त भारत थीम पर केंद्रित रहा आयोजन

इस वर्ष एकता दिवस परेड की मुख्य थीम ह्वनक्सल मुक्त भारतह्व रखी गई थी। इस थीम के जरिए देश से नक्सलवाद के पूर्ण उन्मूलन, आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने तथा शांतिपूर्ण व सुरक्षित भारत के निर्माण का सशक्त संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्र निर्माण तथा देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने में सरदार वल्लभभाई पटेल के अतुलनीय योगदान को याद किया गया।

देश की सुरक्षा और अखंडता का लिया संकल्प

प्रसारण देखने के पश्चात उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता व आंतरिक सुरक्षा को बनाए रखने तथा नक्सलवाद के खात्मे के लिए पूर्ण निष्ठा और समर्पण से कार्य करने का संकल्प लिया। इस आयोजन के जरिए पुलिस बल में अनुशासन, समन्वय, एकजुटता और कर्तव्यनिष्ठा की भावना को बल मिला। जिला पुलिस राजनांदगांव ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और नक्सल मुक्त भारत के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ के नारे के साथ भाजपा ने निकाली पदयात्रा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव



भाजपा के लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत रविवार को शहर में पदयात्रा निकाली गई। स्टेट हाई स्कूल परिसर से शुरू हुई पदयात्रा मानव मंदिर चौक, सिनेमा लाइन और भारत माता चौक होते हुए गंज चौक पहुंची। यहां रैली सभा में बदल गई। पदयात्रा में जिलेभर से भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। हाथों में तख्तियां लेकर चल रहे कार्यकर्ताओं ने हिंसा और तोड़फोड़ के विरोध तथा लोकतंत्र के सम्मान में नारे लगाए।

गंज चौक में हुई सभा को भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, महापौर मधुसूदन यादव और अभियान के जिला संयोजक खूबचंद पारख ने संबोधित किया। उन्होंने कांग्रेस पर आंदोलनों के नाम पर भ्रम और हिंसा का माहौल बनाने का आरोप लगाया। नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन इसके नाम पर हिंसा, तोड़फोड़ और संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना उचित नहीं है। उन्होंने नेपाल, फ्रांस और बांग्लादेश की घटनाओं का उल्लेख करते हुए विपक्ष की सड़क और भीड़ की राजनीति पर सवाल उठाए।

सांसद संतोष पांडेय ने कहा कि राफेल, हिंडनबर्ग और लगातार चुनावी पराजयों के बाद कांग्रेस अब संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि देश में करीब 140 करोड़ की आबादी, 96 करोड़ मतदाता और 12 लाख मतदान केंद्र हैं। यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की व्यापकता को दर्शाता है। निर्वाचन आयोग चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और निर्बाध तरीके से संपन्न कराता है।

पांडेय ने 1984 के सिख विरोधी दंगों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस से देश से माफी मांगने की मांग की। संविधान की प्रति लेकर घूमने वाले कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए उन्होंने सवाल किया कि संविधान को तार-तार किसने किया। उन्होंने कहा कि पहले ईवीएम पर सवाल उठाए गए और अब एसआईआर को लेकर भ्रम फैलाने की कोशिश की जा रही है। कार्यकर्ताओं से लोकतांत्रिक मूल्यों और जनादेश के सम्मान के मुद्दे पर जनता के बीच जाने का आह्वान भी किया।

सभा के मुख्य वक्ता भाटापारा के पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने कहा कि कांग्रेस एसआईआर को लेकर ऐसा भ्रम फैला रही है, मानो यह प्रक्रिया पहली बार हो रही हो। जबकि देश में अब तक नौ बार एसआईआर हो चुका है और इनमें से सात बार यह प्रक्रिया कांग्रेस के शासनकाल में हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कभी इस प्रक्रिया पर सवाल नहीं उठाए, लेकिन कांग्रेस इसके विरोध की आड़ में देश में अराजकता फैलाना चाहती है।

शर्मा ने प्रशांत भूषण के कथित रिजीम चेंज और नेहा बोरा के बांग्लादेश तथा नेपाल की तरह सत्ता परिवर्तन संबंधी बयान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहले भी लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया है। आजादी के बाद प्रधानमंत्री चयन के दौरान नेहरू को 18 में से एक वोट मिलने के बावजूद प्रधानमंत्री बनाए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने इसे वोट चोरी बताया। उन्होंने 1975 में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा इंदिरा गांधी के रायबरेली से लोकसभा निर्वाचन को निरस्त किए जाने और इसके बाद देश में लगाए गए आंतरिक आपातकाल का भी उल्लेख किया।

शिवरतन शर्मा ने कांग्रेस के 13 करोड़ मतदाताओं के नाम बेवजह हटाए जाने के आरोप पर कहा कि इन नामों में 2 करोड़ 80 लाख मृत मतदाताओं के नाम हैं। छह करोड़ मतदाता स्थायी रूप से दूसरे स्थान पर चले गए हैं और एक करोड़ मतदाताओं के नाम दो जगह दर्ज हैं। उन्होंने दावा किया कि तीन करोड़ ऐसे मतदाता भी हैं, जो दर्ज पते पर नहीं मिले और निर्धारित समय-सीमा में नाम जुड़वाने के लिए सामने नहीं आए। शर्मा ने इन तीन करोड़ नामों को फर्जी मतदाता बताते हुए कहा कि इनके नाम मतदाता सूची से हटने पर कांग्रेस बौखलाई हुई है। उन्होंने कार्यकताओं और आम लोगों से लोकतंत्र की गरिमा, संवैधानिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा तथा देश की एकता-अखंडता बनाए रखने के लिए सजग रहने की अपील की।

कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष रामजी भारती, जिला संगठन प्रभारी जितेंद्र वर्मा, सचिन बघेल, रमेश पटेल, योगेश दत्त मिश्रा, शशिकांत द्विवेदी, पूर्णिमा साहू, राजेंद्र गोलछा, तरुण लहरवानी, सौरभ कोठारी, डिकेश साहू, पारस वर्मा, रविंद्र वैष्णव, रमन डोंगरे, अंजू त्रिपाठी, एमडी ठाकुर, किरण वैष्णव, रेखा मेश्राम, दिनेश गांधी, मनोज निवार्णी, रामकुमार गुप्ता, मूलचंद भंसाली, रूपचंद भीमनानी, हरीश शर्मा, राजा माखीजा, त्रिगुण टांक, मुकेश बघेल, सावन वर्मा और रघुवीर वादवा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। पदयात्रा के आयोजन की जिम्मेदारी प्रभारी मधुसूदन यादव के साथ आयोजन समिति के मोनू बहादुर सिंह, किरण साहू, जागृति यदु, संजय सिन्हा, रंजीता पड़ौती, राजेश श्यामकर और देवेंद्र साहू ने संभाली। मंडल अध्यक्ष गोलू गुप्ता, सुमित भाटिया, खिलेश साहू और मनोज साहू के साथ युवा मोर्चा से चिंटू सोनकर, महिला मोर्चा से पुष्पा गायकवाड़, किसान मोर्चा से दादुराम सोनकर, पिछड़ा वर्ग मोर्चा से दिलीप साहू, अनुसूचित जाति मोर्चा से गोपाल भूआर्य और अल्पसंख्यक मोर्चा से हैरी जोसेफ ने भी कार्यकर्ताओं को जोड़ने में सक्रिय भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री साय ने देखा सारंग टीम का रोमांचकारी हवाई करतब

नवा रायपुर के आसमान में भारतीय वायु सेना के शौर्य, साहस और कौशल का अद्भुत प्रदर्शन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर नवा रायपुर का आसमान भारतीय वायु सेना के अदम्य शौर्य, साहस, अनुशासन और अद्भुत उड़ान कौशल का साक्षी बना। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय नवा रायपुर के सेंध लेक में आयोजित भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग एयरोबेटिक डिस्प्ले टीम के रोमांचकारी हवाई प्रदर्शन की फुल ड्रेस रिहर्सल में शामिल हुए। इस अवसर पर भारतीय वायु सेना की आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम, गरुड़ कमांडोज और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम के जाँबाजों ने अपने साहसिक करतबों, सटीक नियंत्रण और बेहतरीन तालमेल से उपस्थित जनसमूह को रोमांचित कर दिया। आसमान में तिरंगे की मनमोहक छटा, हेलीकॉप्टरों की आकर्षक फॉर्मेशन और 'वंदे मातरम्' की गूंज ने पूरे वातावरण को देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना से सराबोर कर दिया।



मुख्यमंत्री श्री साय ने भारतीय वायु सेना के जाँबाजों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित सारंग टीम का यह आयोजन हम सभी के लिए अत्यंत गौरव और प्रसन्नता का विषय है। हमारे वायु वीरों ने जिस साहस, अनुशासन, आत्मविश्वास और सटीक समन्वय के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन किया है, वह प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल रोमांचकारी हवाई करतबों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि भारतीय वायु सेना की उत्कृष्ट क्षमता, कठिन प्रशिक्षण, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना का जीवंत परिचय है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ इसी प्रकार निरंतर विकास, प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करता रहे। राज्य स्थापना दिवस की खुशियों के बीच भारतीय वायु सेना के जाँबाजों का यह अद्भुत प्रदर्शन प्रदेशवासियों के उत्साह और गौरव को और अधिक बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सारंग का अर्थ मोर होता है। जिस प्रकार मोर हमारे देश की विशिष्ट पहचान और सुंदरता का प्रतीक है, उसी प्रकार सारंग टीम भारतीय वायु सेना की गरिमा, उत्कृष्ट कौशल और अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की धरती पर हम एक ऐसे गौरवशाली उत्सव के साक्षी बन रहे हैं, जहाँ राज्य स्थापना की खुशियों के साथ भारतीय वायु सेना का शौर्य, अनुशासन और अदम्य साहस भी जुड़ गया है। नवा रायपुर का आसमान हमारे वायु वीरों के अद्भुत हुनर, साहस और आपसी तालमेल का गवाह बन रहा है।

आकाशगंगा के जाँबाजों ने आसमान से उतारकर दिखाया अद्भुत साहस और सटीक नियंत्रण

हवाई प्रदर्शन का रोमांचकारी शुभारंभ भारतीय वायु सेना की प्रसिद्ध आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम ने किया। खुले आसमान से छलांग लगाते हुए टीम के जाँबाजों ने अपने पैराशूटों को कुशलतापूर्वक नियंत्रित कर अदम्य साहस, संतुलन और सटीकता का अद्भुत परिचय दिया। ऊंचे आसमान से उतरते हुए स्काईडाइवर्स ने निर्धारित दिशा और गति के अनुरूप अपने पैराशूटों को नियंत्रित किया तथा सेंध लेक के सामने निर्धारित स्थान पर सटीक लैंडिंग की। आसमान से धरती की ओर उतरते इन साहसी जवानों का प्रदर्शन दर्शकों के लिए रोमांच और उत्सुकता से भरा रहा। निर्धारित स्थान पर सफलतापूर्वक उतरते ही पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उपस्थित जनसमूह ने भारतीय वायु सेना के इन जाँबाजों के अद्भुत साहस और उत्कृष्ट प्रशिक्षण की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। आकाशगंगा टीम की इस प्रस्तुति ने भारतीय वायु सेना के जवानों की शारीरिक दक्षता, मानसिक दृढ़ता, कठिन परिस्थितियों में संतुलन बनाए रखने की क्षमता और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण की प्रभावशाली झलक प्रस्तुत की।

गरुड़ कमांडोज ने दिखाया चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में विशेष ऑपरेशन का कौशल

आकाशगंगा टीम के प्रदर्शन के पश्चात भारतीय वायु सेना के गरुड़ कमांडोज ने एमआई-17 हेलीकॉप्टर से स्लिदरिंग का सहासिक प्रदर्शन किया। हवा में एक स्थान पर स्थिर हेलीकॉप्टर से रस्सियों के सहारे नीचे उतरते जवानों ने कठिन एवं चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में निर्धारित स्थान तक पहुँचने की अपनी दक्षता का परिचय दिया। गरुड़ कमांडोज ने हेलीकॉप्टर से उतरकर सेंध लेक के सामने रेस्क्यू एवं कॉम्बैट ऑपरेशन का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। इसके पश्चात जवानों ने मंच को सलामी दी। हवा में स्थिर हेलीकॉप्टर से रस्सियों के सहारे उतरने और निर्धारित स्थान पर ऑपरेशन को अंजाम देने की इस प्रस्तुति ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

इस प्रदर्शन के माध्यम से भारतीय वायु सेना के विशेष बलों की परिचालन क्षमता, त्वरित कार्रवाई, साहसिक प्रशिक्षण और कठिन परिस्थितियों में मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करने की दक्षता का परिचय मिला। दर्शकों ने कमांडोज के अदम्य साहस और अनुशासित प्रदर्शन की करतल ध्वनि से सराहना की। हवाई प्रदर्शन का सबसे प्रमुख और रोमांचकारी आकर्षण भारतीय वायु सेना की विश्वप्रसिद्ध सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम की शानदार प्रस्तुति रही। ग्रुप कैप्टन श्री अभिजीत कुमार के नेतृत्व में टीम के पांच हेलीकॉप्टरों ने नवा रायपुर के आसमान में एक के बाद एक आकर्षक फॉर्मेशन और साहसिक हवाई करतब प्रस्तुत किए।

तिरंगे की मनमोहक फॉर्मेशन और 'वंदे मातरम्' की गूंज से देशभक्ति के रंग में रंगा आसमान

हवाई प्रदर्शन के अंतिम चरण में सारंग टीम ने 'वंदे मातरम्' गीत की गूंज के बीच तिरंगे की मनमोहक फॉर्मेशन प्रस्तुत की। आसमान में तिरंगे के रंगों की आकर्षक छटा ने पूरे वातावरण को राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति की भावना से भर दिया। भारतीय वायु सेना के जाँबाजों द्वारा प्रस्तुत इस शानदार फॉर्मेशन ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। आसमान में उड़ान भरते हेलीकॉप्टरों के अद्भुत तालमेल, तिरंगे के रंगों और देशभक्ति गीत की गूंज ने एक अविस्मरणीय दृश्य उपस्थित किया। शौर्य, साहस, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम से परिपूर्ण इस प्रस्तुति के साथ हवाई प्रदर्शन का भव्य एवं यादगार समापन हुआ। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने प्रदेशवासियों को भारतीय वायु सेना की उत्कृष्टता और राष्ट्रसेवा के गौरवशाली स्वरूप से परिचित कराया।

विश्वभर में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ा चुकी है सारंग टीम

उल्लेखनीय है कि भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम विश्व की एकमात्र पांच हेलीकॉप्टरों वाली एयरोबेटिक प्रदर्शन टीम है। यह टीम अपने सुनियोजित हवाई करतबों, आकर्षक फॉर्मेशनों और अद्भुत उड़ान कौशल के माध्यम से भारतीय वायु सेना की सटीकता, अनुशासन, व्यावसायिकता तथा उच्चस्तरीय प्रशिक्षण का परिचय देती है। सारंग टीम ने जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, मॉरिशस, रूस और मिस्र सहित दुनिया के अनेक देशों में अपने शानदार हवाई प्रदर्शनों से भारत की प्रतिष्ठा और गौरव को नई ऊंचाइयां प्रदान की हैं। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर टीम की प्रस्तुतियां भारतीय वायु सेना की दक्षता, साहस, तकनीकी उत्कृष्टता और उत्कृष्ट समन्वय का प्रभावशाली परिचय देती रही हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर नवा रायपुर में सारंग टीम की उपस्थिति प्रदेशवासियों के लिए विशेष गौरव का अवसर है।

राज्योत्सव के अवसर पर आयोजित यह रोमांचकारी आयोजन प्रदेशवासियों को भारतीय वायु सेना के अद्भुत शौर्य, साहस, अनुशासन और उड़ान कौशल को निकट से देखने का विशेष अवसर प्रदान करेगा। आकाशगंगा स्काईडाइविंग टीम, गरुड़ कमांडोज और सारंग टीम की साहसिक प्रस्तुतियों से यह आयोजन छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के उत्सव को और अधिक भव्य एवं यादगार बनाएगा।

इस अवसर पर खाद्य मंत्री दयालदास बघेल, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, विधायक धरमलाल कौशिक, श्रीमती कौशल्या साय सहित जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, भारतीय वायु सेना के अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

छठ पर्व को लेकर भिलाई निगम की तैयारी तेज तालाबों-घाटों में युद्धस्तर पर सफाई अभियान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आगामी छठ पर्व को देखते हुए नगर पालिक निगम भिलाई ने शहर के तालाबों एवं छठ घाटों की साफ-सफाई तेज कर दी है। निगम द्वारा प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों के तालाबों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। नियमित सफाई कर्मचारियों के साथ मशीनों को भी लगाया गया है। तालाबों में फैली जलकुंभी, तैरता कचरा, प्लास्टिक और अपशिष्ट निकाला जा रहा है। घाटों की सीढ़ियों और किनारों की गंदगी भी साफ की जा रही है ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण मिल सके।

निगम आयुक्त सुरूचि सिंह खुद विभिन्न तालाबों का निरीक्षण कर सफाई की मॉनिटरिंग कर रही हैं। उन्होंने अधिकारियों और स्वास्थ्य



विभाग को निर्देश दिए हैं कि छठ से पहले सभी प्रमुख तालाब-घाटों की सफाई बेहतर तरीके से हो, लापरवाही न हो और जहां ज्यादा जलकुंभी-कचरा है वहां प्राथमिकता से सफाई कराई जाए।

गौरतलब है कि छठ पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु सुबह-शाम तालाबों पर सूर्य को अर्घ्य देते हैं। निगम ने नागरिकों से भी अपील की है कि तालाबों-घाटों में कचरा, प्लास्टिक व पूजन सामग्री इधर-उधर न फेंकें और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

दिल्ली में 30 वर्षों की सबसे बड़ी महारैली, राहुल गांधी के साथ जुटा पूरा देश : अरुण वोरा

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

देश में कथित वोट चोरी के खिलाफ आज नई दिल्ली स्थित रामलीला मैदान में आयोजित वोट बचाओ - देश बचाओ, चलो दिल्ली अभियान के तहत विशाल महारैली में देशभर से 10 लाख लोग जुटे। छत्तीसगढ़ से भी हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता इस आंदोलन में शामिल होने दिल्ली पहुँचे। 19 विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों के साथ देश के कोने-कोने से आम नागरिकों ने भी अपनी भागीदारी दर्ज कराई।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं दुर्ग शहर के पूर्व विधायक अरुण वोरा भी महारैली में शामिल हुए। उन्होंने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ नेताओं के साथ मंच साझा किया। वोरा ने कहा कि राहुल गांधी जी के नेतृत्व में रामलीला मैदान में उमड़ा यह जनसैलाब पिछले 30 वर्षों की सबसे बड़ी रैली का प्रमाण है। लाखों लोगों की यह एकजुटता स्पष्ट संदेश दे रही है कि पूरा भारत वोट चोरी के खिलाफ खड़ा हो चुका है। देश की जनता एक स्वर में कह रही है—वोट चोर, गद्दी छोड़। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को अब इस्तीफा देना ही होगा।



उन्होंने कहा कि आज की यह लड़ाई किसी एक नेता या राजनीतिक दल की नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक के अधिकारों और पहचान की लड़ाई है। वोट चोरी केवल मतदाता सूची से नाम हटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हर नागरिक की पहचान और उसके लोकतांत्रिक अधिकार पर हमला है। भविष्य में सरकारी योजनाओं के लाभ और नागरिकता से जुड़े विषयों पर भी इसका असर पड़ने की आशंका है। वोरा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में देशभर में लगभग 13 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को उनके मताधिकार से वंचित किए जाने का खतरा पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान पर इस तरह का हमला देश स्वीकार नहीं करेगा। भाजपा सरकार ने सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग किया है और देश की संपत्ति चंद उद्योगपतियों के हाथों में सिमटती जा रही है।

वोरा ने आगे कहा कि राहुल गांधी जी के साथ आज पूरा देश इस लड़ाई में खड़ा है। जनता का यह आक्रोश आने वाले समय में सत्ता परिवर्तन का आधार बनेगा। आज रामलीला मैदान से उठी आवाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार तक जनता का संदेश पहुँचा दिया है। विपक्ष का यह प्रयास उन्हें जवाबदेही से बचने नहीं देगा।

गोलबाजार पुलिस की सतर्कता से टली बड़ी दुर्घटना, अवैध पटाखा फैक्ट्री पर छापा, 2 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गोलबाजार थाना क्षेत्र में आवासीय परिसर में चल रही अवैध पटाखा फैक्ट्री पर संयुक्त टीम ने कार्रवाई कर संभावित बड़ा हादसा टाल दिया। मुखबिर से सूचना मिली थी कि गणेश राम नगर स्थित शिव शक्ति फटाका दुकान का संचालक अपनी दुकान के ऊपर बने आवासीय कमरे में दीपावली बिक्री के लिए अवैध रूप से पटाखे बनवा रहा है।

सूचना पर रज्ट रायपुर, नगर निगम जोनल कमिश्नर, पर्यावरण अधिकारी और थाना प्रभारी गोलबाजार निरीक्षक कृष्णा साहू के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने मौके पर छापा मारा। जाँच में कमरे में "TOP TIGER" नाम के पटाखे बनाए जा रहे थे। मौके से 5 कार्टन तैयार पटाखे, बोरियों में अर्धनिर्मित पटाखे और एल्युमिनियम पाउडर जप्त किया गया, जो लो-एक्सप्लोसिव श्रेणी का है। टीम ने कमरे को सील कर दिया।

गिरफ्तार आरोपी: में श्याम लाल ठाकुर



(76 वर्ष), निवासी अमलीडीह, रायपुर और दीपक ठाकुर (57 वर्ष), निवासी कालीनगर, पंडरी, रायपुर शामिल हैं। आरोपियों के विरुद्ध विस्फोटक अधिनियम 1884 की धारा 9B(1)(a) और BNS 2023 की धारा 288 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

गांजा बिक्री की फिराक में घूम रही महाराष्ट्र की 2 अंतर्राज्यीय महिला तस्कर गिरफ्तार

एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और थाना कोतवाली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गांजा बिक्री करने की फिराक में घूम रही नागपुर की दो अंतर्राज्यीय महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

1 नवंबर 2026 को सूचना मिली थी कि कोतवाली क्षेत्र के अहमद जी कॉलोनी, बाबर बंगला के पास इमली पेड़ के नीचे दो महिलाएं गांजा लेकर बिक्री की फिराक में हैं। टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर दोनों को पकड़ा। तलाशी में उनके पास से कुल 1.972 किलोग्राम गांजा, कीमत लगभग 98,600 रुपये जप्त किया गया। आरोपियों के विरुद्ध थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक



415/26 धारा 20(B) NDPS एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

गिरफ्तार आरोपी में रंजना उर्फ राजना पात्रे (60 वर्ष), निवासी एमजी नगर, कन्हान, नागपुर (महाराष्ट्र) और सीमा उर्फ नीलम पात्रे (45 वर्ष), निवासी सतरापुर, कन्हान, नागपुर (महाराष्ट्र) शामिल हैं। पुलिस के अनुसार दोनों महिलाएं पूर्व में भी चोरी के प्रकरणों में जेल जा चुकी हैं। गांजा सप्लाई के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज पर पूछताछ जारी है।

छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, दो नाबालिग हिरासत

रायपुर। रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र से कक्षा आठवीं की 13 साल की बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपियों की धमकी और डर के कारण पीड़िता ने किसी को भी घटना की जानकारी नहीं दी। हालांकि घटना के एक महीने बाद बालिका की तबीयत बिगड़ी, तब उसकी मां को पता चला। रिपोर्ट के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। एक आरोपी की उम्र 14 और दूसरे की 16 है। दोनों को बाल संप्रेषण गृह भेज दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, घटना 25 सितंबर की बताई जा रही है. बालिका अपनी सहेली से मिलने के लिए उसके घर गई थी। सहेली नहीं मिली, लेकिन उसका भाई और अन्य नाबालिग मौजूद था। बालिका को अकेला पाकर उन्होंने धमकाया और घिनौना काम किया।







"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100